



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 9, 1982 (पौष 19, 1903)

No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 9, 1982 (PAUSA 19, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखायंत्रीक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, 110011, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/80-प्रशा.-11—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी अधीक्षक (हाल.) श्री एम. एल. धवन को 1-12-81 से 28-2-82 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उप नियंत्रक (त. सं.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

उप नियंत्रक (त. सं.) के पद पर श्री एम. एल. धवन की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ और अस्थायी आधार पर है और उक्त ग्रेड में विलयन अथवा परिष्कृता का उन्हें कोई हक प्रदान नहीं करेंगी।

पी. एस. राणा
अनुभाग अधिकारी
कृत अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 35014/2/80-प्रशा.-11—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28-2-81 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. सं. के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री के. एस. कल्याण को 1-1-82 से 28-2-82 तक दो मास की अवधि के लिए
—406GI/81

अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्गवाह्य पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री के. एस. कल्याण सेवा अधिकारी के संवर्गवाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन सम्य-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का. जा. सं. एफ. 10 (24) ई. 111/66 दिनांक 4-5-1961 में सन्निहित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 7 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32016/3/80-प्रशा.-11—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा श्री ओ. पी. सूद, अन्वेषक (त. सं.) को 1-12-81 से 28-2-82 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अधीक्षक (त. सं.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

अधीक्षक (त. सं.) के पद पर श्री ओ. पी. सूद की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ और अस्थायी आधार पर है और यह उक्त ग्रेड में उन्हें विलयन अथवा परिष्कृता का हक प्रदान नहीं करेंगी।

सं. पी./1783 प्रशा.-11—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 अगस्त 1981 के अनुक्रम में महालेखाकर, उड़ीसा के लेखा अधिकारी श्री बी. रामचन्द्रन को 13-11-1981 से 12-7-1982 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य करते रहने की अनुमति दी

गई है। श्री रामचन्द्रन उपर्युक्त अवधि के दौरान कोई प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

पी. एस. राणा
अनुभाग अधिकारी
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32014/3/79-प्रशा.—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के. स. स्टे. से. का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा उनकी नामों के सामने निर्दिष्ट तारीख से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनन्तिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के. स. स्टे. से. ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्रम. सं.	नाम	अवधि
1.	—श्री जोगिन्दर सिंह	9-11-81 से 8-2-82 तक
2.	—श्री आर. एल. ठाकुर	28-10-81 से 21-1-82 तक

सं. 32014/1/81-प्रशा. I (i)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनन्तिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के. स. स्टे. से. का ग्रेड-ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री पी०पी० सिक्का	4-11-81 से 27-1-82 तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो।
2.	श्री ओ० पी० देवरा	9-11-81 से 8-2-82 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।

2. सर्वश्री पी०पी० सिक्का और ओ० पी० देवरा अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा।

सं. ए० 32014/1/81-प्रशा. I (ii)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनन्तिम अस्थायी, और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख)

के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि	अभ्युक्ति
सर्वश्री			
1.	एच० सी० कटोच	14-12-81 से 28-2-82 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।	निजी सचिवों के पदों को अस्थायी रूप से पदावतल करने से उनके स्थान पर बनाए गए 2 पदों पर
2.	टी० आर० शर्मा	1-12-81 से 28-2-82 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो	वही
3.	शाम प्रकाश	वही	परिणामी शृंखलाबद्ध रिक्ति में

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता के लिए कोई हक नहीं होगा।

य. रा. गांधी
अवर सचिव (प्रशासन)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का. एवं प्रशा. सुधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. पी. एफ./एस-234/73-प्रशासन-1.—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी श्री सुकुमार विश्वास, का केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता शाखा में दिनांक 16-11-81 के पूर्वाह्न से कार्य भार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. आर-93/66-प्रशा.-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर महाराष्ट्र पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर. के. गुक्ला की सेवाएं दिनांक 30-11-81 के अपराह्न से महाराष्ट्र राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

की. ला. गोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. ओ. दो. 1206/75-स्थापना—श्री चंतेराम ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, के. रि. पु. बल के पद का कार्यभार 30-11-1981 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं. ओ. दो. 1445/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना त्रिवेदी को 5-12-81 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं. ओ. दो. 1582/82-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-11) डा. के. अपला चारपूल ग्रुप केन्द्र दीमापुर को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 28 नवम्बर 1981 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. ओ. दो. 1414/77-स्थापना—श्री गुरुबचन सिंह ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक के. रि. पु. बल के पद का कार्यभार 31-10-1981 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए. के. सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

सं. ई-38013 (2)/1/79-कार्मिक—मद्रास को स्थानांतरित होने पर, मेजर आर. सी. रमैया ने 28 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट, एस. एच. ए. आर. सेंटर, के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013 (2)/1/798 कार्मिक—एस. एच. ए. आर. सेंटर से स्थानांतरित होने पर मेजर आर. सी. रमैया ने 29 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ. सु. ब., मद्रास के सहायक महानिरीक्षक (द. क्षेत्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ई-16015/2/81-कार्मिक—ज्वाइंट साइफर ब्यूरो, रक्षा मंत्रालय को प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री एन. रामदास ने 3 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से के. ओ. सु. ब. ग्रुप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—नंगल को स्थानांतरण होने पर, श्री एस. एस. रंधावा ने 5-10-81 के अपराह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट, आई. ओ. सी., गुजरात रिफाइनरी, बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—नया नंगल से स्थानांतरण होने पर, श्री एस. एस. सम्वाल ने तारीख 16 अक्टूबर, 1981 पूर्वाह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट, आई. ओ. सी., गुजरात रिफाइनरी, बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—बड़ौदा से स्थानांतरित होने पर श्री एस. एस. रंधावा ने 9 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट, एन. एफ. एल., नया नंगल के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—बड़ौदा में स्थानांतरण होने पर श्री सी. एस. वरदाराजन ने 9 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट, एन. एफ. एल., नया नंगल के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/16/81-कार्मिक—हैदराबाद में स्थानांतरण होने पर श्री सी. एस. वरदाराजन ने 9 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट, बी. आई. एल., भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—प्रशिक्षण रिजर्व के. ओ. सु. ब./दक्षिण क्षेत्र से स्थानांतरित होने पर श्री बी. ए. वेबाया ने 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से के. ओ. सु. ब., दक्षिण क्षेत्र मुख्यालय, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री आर. जानकीरमन ने उक्त का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—बचेली से स्थानांतरित होने पर श्री एम. के. चोपड़ा, ने 8 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट, बी. एच. ई. एल., भोपाल के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ
महानिदेशक/के. ओ. सु. ब.

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक जनवरी 1982

सं. 23/3/81-सी. पी. आई.—नवम्बर, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार वर्ष 1960=100 अक्टूबर, 1981 के स्तर से 2 अंक बढ़ कर 462 (चार सौ बासठ) रहा। नवम्बर, 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 562 (पांच सौ बासठ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

(प्रशासन अनुभाग-1)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

हैदराबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. प्रशा. 1/8-132/81-82/4104--श्री टि. डी. सेल
लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश 1 सेवा में
निवृत्त हूँ, दिनांक 30-11-1981 अपराह्न।

रा. हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं० प्रशासन/सामान्य/31-खण्ड-11/सी० 1 (1)/8—महा-
लेखाकार, महाराष्ट्र-(1) बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्न-
लिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक
से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त
करते हैं :—

क्र सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री व्ही० व्ही० निरखे	17-11-81 (अपराह्न)
2.	श्री एन० एम० फाटक	30-11-81 (पूर्वाह्न)
3.	श्री जी० एस० देशपांडे	30-11-81 (पूर्वाह्न)
4.	श्री व्ही० एम० फिरके	30-11-81 (पूर्वाह्न)
5.	श्री पी० एम० चांदेकर	30-11-81 (पूर्वाह्न)

ह. अपठनीय

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. प्र-6/247 (615)--स्थायी भण्डार परीक्षक (इ.जी.)
और निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न
सहायक निरीक्षण अधिकारी (इ.जी.) श्री एम. के. सिन्हा
निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-10-1981 (अपराह्न) से
सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

एम. जी. सैगन
उप निदेशक (प्रशासन)
कृत महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

सं. प्र 1/1 (917)--राष्ट्रपति, सहायक निदेशक पूर्ति
(ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-111) श्री एम. पी.
गुप्ता को दिनांक 24-11-1981 के पूर्वाह्न से और आगामी
आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा
ग्रुप ए के ग्रेड-111) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से
नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) का पदभार छोड़
दिया और दिनांक 24-11-1981 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा
निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति का
कार्यभार सम्भाल लिया।

एस. एल. कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. ई. 1-13 (107)/78()--वार्धक्य की आयु प्राप्त
होने पर श्री हरि मोहन दास, सहायक लोहा तथा इस्पात नियंत्रक,
30 नवम्बर, 1981 के अपराह्न में पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एस. एन. विश्वास
संयुक्त लोहा तथा इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. 8005 बी/50/66 (डी. के. जे)/19 सी.—खनिज
समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन
लि.), से परावर्तन पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के शीफ्ट
बास श्री डी. के. जय ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पश्चिमी
क्षेत्र, जयपुर में दिनांक 14-10-1980 (पूर्वाह्न) से कार्यभार
सम्भाल लिया और उसी पद से उन्होंने स्वीच्छक निवृत्ति पर दिनांक
31-10-1980 (अपराह्न) से कार्यभार त्याग दिया।

सं. 8025 बी/ए-19012 (2-डी. पी.)/81-19बी.—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी)
श्री तपोज्योति पाव को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वृत्त नियमानुसार 650-30-740-35-
810-द. रां.-35-880-40-1000-द. रां.-40-1200 रु.
के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक
2-9-81 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. 7996 बी/ए-19012 (2-आर. एन.) 81-19 बी.— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री राजीव निगम को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 29-7-81 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. /ए-19012 (2-बी. के. ए.)/81-19 बी.— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री विमल कुमार अधिकारी को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24-8-1981 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. /ए-19012 (2-सी. बी.)/81-19बी.— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री कल्याण सहा को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4-9-81 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 8119 बी/ए-19012 (2-के. एस.)/81-19बी.— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री कल्याण सहा को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 18-8-1981 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 8129 बी/ए-19012 (2-एम. के. आर्ह.)/81-19 बी.— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री मुहम्मद खालिद इकबाल को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4-9-81 के पूर्वाह्न में, पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 18 दिसम्बर 1981

सं. 5120डी/ए-32013/ए-भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ)/81-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) को भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 1100-50-1600 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक

प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं :—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री जे० के० वैद	31-7-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री ए० बासु	29-7-81 (पूर्वाह्न)
3.	श्री के० सी० पाल	31-7-81 (पूर्वाह्न)
4.	श्री बी० के० नागराज राय	30-7-81 (पूर्वाह्न)
5.	श्री बी० के० शर्मा	1-9-81 (पूर्वाह्न)
6.	श्री बी० एल० नरसैय्या	1-10-81 (अपराह्न)

जे० स्वामी नाथ
महा निवेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं. 6/68/56-सिबंभी (1)—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री एस. ए. नार्हक, सेल्समन, बम्बई शाखा, को दिनांक 1-12-81 के पूर्वाह्न में, नया बनाया शाखा प्रबन्धक, विजयवाडा के पद पर अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त किया है।

श्री एस. ए. नार्हक, शाखा प्रबन्धक, विजयवाडा का दफ्तर, अगला आदेश जारी होने तक तदर्थ रूप में बम्बई होगा।

एस. के. राय
सहा. प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. ए. 12026/2/81 (अभा. स्वा. एवं जन स्वा. सं.) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने, आर्ह. एस. एस. के एक अधिकारी श्री एस. के. सान्याल को 10 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में मांस्यकीय के प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. सी. जैन
उप निदेशक प्रशासन
(सं. एवं. प.)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

केन्द्रीय सम्मिश्र

बम्बई-400085, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

(कार्मिक प्रभाग)

सं. पी. ए./76 (3)/80 आर-111-13 अगस्त, 1981 की समसंस्थक अधिसूचना के सन्दर्भ में श्री टी. के. राममूर्ति की सहायक लेखा अधिकारी पद पर 1 जून, 1981 से स्थानापन्न नियुक्ति को 6 अक्टूबर, 1981 (अप्रारम्भ) तक सीमित किया जाता है।

दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं. पी. ए./79 (4)/80 आर-111-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री पीडिकपरबिल कल्याणियम्मा नारायणन, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी (र. 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इसी अनुसंधान केन्द्र में 5-10-1981 (पूर्वाह्न) से 12-11-1981 (अप्रारम्भ) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. पी. ए./81 (10)/8-आर-4—भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को, कालम 4 में बताई तारीखों से अगले आदेशों तक, इसी अनुसन्धान केन्द्र में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	स्थानापन्न पद	तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	वि० एन० नंदे	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)
2.	एम० एल० समू	यथोपरि	यथोपरि
3.	वर्धिस जेकब	यथोपरि	यथोपरि
4.	श्रीमती वि० एस० दिक्षित	यथोपरि	यथोपरि
5.	एम० बी० गुहागरकर	नक्शानवीस (सी)	यथोपरि
6.	टी० जी० पटेल	फोरमैन	1-8-81 यथोपरि
7.	पी० बी० पवास्कर	वैज्ञानिक सहायक (सी)	यथोपरि
8.	ए० जी० राहुकर	यथोपरि	यथोपरि
9.	श्रीमती ए० ए० कदम	यथोपरि	यथोपरि
10.	एस० एम० वासानिया	यथोपरि	यथोपरि
11.	श्रीमती जे० संधानम	यथोपरि	यथोपरि

1	2	3	4
सर्वश्री			
12.	एस० के० मुखर्जी	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)
13.	एस० के० बन्दोपाध्याय	यथोपरि	यथोपरि
14.	एम० के० मुखर्जी	यथोपरि	3-8-81 (पूर्वाह्न)
15.	एम० बी० सहजवाला	यथोपरि	1-8-81 (पूर्वाह्न)
16.	एस० डी० पुलगारे	यथोपरि	यथोपरि
17.	डा० मधू डेविड	यथोपरि	यथोपरि
18.	पी० ए० गांगुली	यथोपरि	यथोपरि
19.	एन० स्वामिनाथन	यथोपरि	यथोपरि
20.	डी० डी० जैस्वाल	यथोपरि	यथोपरि
21.	श्रीमती विजया आर० पुल्लत	यथोपरि	यथोपरि
22.	वि० वेंकटेशम	यथोपरि	यथोपरि
23.	पी० वि० साठे	यथोपरि	यथोपरि
24.	पी० पी० गोखले	यथोपरि	यथोपरि
25.	वि० वि० देशमुख	फोरमैन	यथोपरि
26.	एम० ए० चव्हाण	यथोपरि	यथोपरि
27.	ए० के० कामत	वैज्ञानिक सहायक (सी)	यथोपरि
28.	वि० के० पी० उन्नी	यथोपरि	यथोपरि
29.	एस० एम० नानजाली	यथोपरि	यथोपरि
30.	पी० के० डी० कुरूप	यथोपरि	3-8-81 (पूर्वाह्न)
31.	ए० ओ० सुरेन्द्रनाथन	वैज्ञानिक सहायक (बी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)
32.	ए० सुब्रमण्यन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	यथोपरि
33.	एम० एफ० फोंसेका	वैज्ञानिक सहायक (बी)	यथोपरि
34.	जार्ज चेरीयन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	यथोपरि
35.	पी० सी० राव	यथोपरि	यथोपरि
36.	ए० के० दास	यथोपरि	यथोपरि
37.	डी० आर० मुक्ने	यथोपरि	यथोपरि
38.	ए० एफ० डायस	फोरमैन	यथोपरि
39.	एम० जनार्दनन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81
40.	जी० डी० भेडसगांवकर	यथोपरि	यथोपरि
41.	के० विजयन	यथोपरि	यथोपरि
42.	वि० टी० कुलकर्णी	यथोपरि	यथोपरि

(1)	(2)	(3)	(4)
43. एस० के० बनर्जी	नवज्ञानधीम (सी)	यथोपरि	
44. बाय० एच० साली	यथोपरि	यथोपरि	
45. एम० एल० पोटफोडे	यथोपरि	यथोपरि	
46. एन० चाको	वैज्ञानिक सहायक (सी)	10-8-81 (पूर्वाह्न)	
47. आर० एन० घोष	फोरमन	1-8-81 (पूर्वाह्न)	
48. एस० बांशीश्वरन	यथोपरि	3-8-81 (पूर्वाह्न)	
49. सी० लोहीदाशन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)	
50. वि० वि० वाड	फोरमन	यथोपरि	
51. ए० एल० पापाचान	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)	
52. बाय० आर० पंड्या	यथोपरि	यथोपरि	
53. स० मुरलीधरन	यथोपरि	यथोपरि	

ए० शांताकुमारा मेनोन,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

संयंत्र स्थल

बुलन्धर, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

क्र. न. प. वि. प./प्रशा/26 (1)/81/एस/15842—
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, श्री वाई. पी. सी. पी. डी. समूह में स्थायी चार्ज-हैंड तथा वर्तमान में न. प. वि. प. में स्थानापन्न फोरमन को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 1 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से अग्रिम अवशेषों तक के लिए रु. 650-30-470-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200/- रु. के बतनमान में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस. बी. के पद पर नियुक्त करते हैं।

अ. दे. भादिया
प्रशामन अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. 05052/81/अर./6471—भारी पानी परियोजना विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अरयामपरंबिल सदानन्दन जनावरन, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी', भारी पानी संयंत्र (तृतीकोरिन) को उसी संयंत्र में एक अगस्त, पूर्वाह्न, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस. बी.) नियुक्त करते हैं।

सं. 05052/81/अर./6472—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अरकोट धनकोटी चन्द्रशेखरन, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक, 'सी', भारी पानी संयंत्र (तृतीकोरिन) को उसी संयंत्र में एक अगस्त, पूर्वाह्न, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस. बी.) नियुक्त करते हैं।

सं. 05012/भ-4/स्था. पदो./6475—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अन्नामलाई नटराजन, अस्थायी सहायक लेखापाल, भारी पानी संयंत्र (तृतीकोरिन) को उसी कार्यालय में 25 सितम्बर, पूर्वाह्न, 1981 से 20 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) तक के लिए श्री ए. एन. मूलस्वामी, सहायक लेखा अधिकारी, जो पवोन्नति पर राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानान्तरित हो गए हैं, के स्थान पर अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर-सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र. च. कोटिजनकर
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

आदेश

ठाणे, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

सं. ता प बि घ/2/846/71 खंड-11—जबकि श्री एम. मुत्तूवेलु, ट्रेड्समैन 'डी' को उनके अनुरोध पर दिनांक 20/9/81 के परलेखन सहित दिनांक 1/9/81 से 19/9/81 तक का अवकाश मंजूर किया गया था;

और जबकि उपरोक्त श्री मुत्तूवेलु स्वीकृत अवकाश की समाप्ति के बाद दिनांक 21/9/81 को कार्य पर नहीं लौटे;

और जबकि उपरोक्त श्री मुत्तूवेलु ने एक तार भेजा जो तारा-पुर परमाणु बिजलीघर में दिनांक 21/9/81 को प्राप्त हुआ और जिसमें श्री मुत्तूवेलु ने अवकाश की अवधि को और एक माह बढ़ाने के लिए पूछा था;

और जबकि 21/9/81 से एक माह की समाप्ति के बाद भी श्री मुत्तूवेलु कार्य पर लौटने में असफल रहे;

और जबकि दिनांक 26/10/81 को तारापुर परमाणु बिजलीघर द्वारा उपरोक्त श्री मुत्तूवेलु को उनके अंतिम ज्ञात पते-बिलसुपट्टी पर पंजीकृत डाक प्राप्ति स्वीकृति देय द्वारा एक ज्ञान भेजा गया था जिसमें उपरोक्त श्री मुत्तूवेलु से कार्य पर तुरन्त लौटने के लिए कहा गया था;

और जबकि डाक डाक अधिकारियों द्वारा उपरोक्त ज्ञापन इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पाने वाला दस्तावेज़ नहीं दिया;

और जबकि उपरोक्त श्री मुत्तूवेलु ने एक अन्य पत्र दिनांक 21/11/81, भेज कर अवकाश की अवधि 2 या 3 माह तक बढ़ाने का अनुरोध किया;

और जबकि श्री मुत्तूवेलु के दिनांक 21/11/81 के पत्र में दिए गए पते पर तारापुर परमाणु बिजलीघर द्वारा दिनांक 30/11/81 को पंजीकृत डाक प्राप्ति स्वीकृति देय द्वारा एक ज्ञापन भेजा गया जिसमें उपरोक्त श्री मुत्तूवेलु से तुरन्त कार्य पर लौटने के लिए कहा गया था;

और जबकि उपरोक्त ज्ञापन दिनांक 30/11/81 को डाक अधिकारियों की इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पाने वाला पता सूचित किए बिना चला गया;

और जबकि श्री मुस्तुबेलु लगातार अनुपस्थित रहते हैं,

और जबकि उपरोक्त श्री मुस्तुबेलु अतिरिक्त तरी पर कार्य में अनुपस्थित रहने तथा म्बेच्छा से सेवा त्यागने के दायी हैं;

और जबकि अधोहस्ताक्षरी संगत है कि नागपुर परमाणु विजलीघर को अपने पते के विषय में सूचित किए दिना संघ त्यागने के कारण केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अनुसार जांच किया जाना सयुक्त रूप से सम्भव नहीं है;

अतः अब अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 19 (11) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तात्कालिक प्रभाव से उपरोक्त श्री मुस्तुबेलु को सेवा से बरखास्त करते हैं।

कै. पी. राव
मुख्य अधीक्षक

प्रतिलिपि :

श्री एम. मुस्तुबेलु,
पी. नर्मलाइ,
वाया - अन्नावास्ल,
जिला - पुडुक्कोट्टी।

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलूर-560009, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

सं. 9/62/81-सि. इं. प्र. (मुख्य.)—अंतरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, तमिलनाडु सरकार के राज्य लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर श्री आर. जयरमण को प्रतिनियुक्ति पर इंजीनियर एम. बी. के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 7 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एम. पी. आर. पाणिकर
प्रशासन अधिकारी-1।
कृते मुख्य अभियन्ता

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. ए. 31014/1/79-ई. सी.—इस विभाग की दिनांक 25-5-81 की अधिसूचना सं. ए. 31014/1/79-ई. सी. की क्रम सं. 51 में आंशिक संशोधन करते हुए, क्रम सं. 51 की मीजूदा प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित करके पढ़ा जाए :—

क्रम सं.	नाम	तैनाती स्टेशन
51.	श्री ए. सी. वल्ला—वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	प्रेस चन्द्र सहायक निदेशक प्रशासन

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

कोयला खान, श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. पी. 8 (25) 67—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियम, 1947 के उप-नियम (1) (अ) में दिए गए अधिकारों

का प्रयोग कर कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एतद् द्वारा कोयला खान संचालक, धनबाद, उड़ीसा के महा सचिव श्री पी. के. प्रधान के भारतीय राष्ट्रीय खान श्रमिक महासंघ, धनबाद के महासचिव श्री एस. दास गुप्ता (जो पद का त्याग कर दिए) के स्थान पर निम्नीय उप-समिति का सदस्य नियुक्त करती है, जिसका सदन अधिवक्ता संख्या-पी. 8 (25) 167 दिनांक 23-12-1975 में उल्लिखित है तथा कथित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

“क्रम संख्या 4-श्री एस. दास गुप्ता” के स्थान पर

“क्रम संख्या 4-श्री पी. के. प्रधान” प्रतिस्थापित किया जाय।

दामोदर पण्डा

आयुक्त

कोयला खान कल्याण संस्था

धनबाद

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. ए-19012/931/81-स्था. पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी. जी. सिन्हा, पर्यवेक्षक को रु. 650-30-740-35-810-व. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40 1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 12 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से छः माह की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर एतद्वारा स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. ई. 11/ई. एस./सी. एफ. एम./ओ./मिनि.—श्री यादव राम नागर को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में दिनांक 1-1-80 से अनुभाग अधिकारी (लिपिकवर्गीय) के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं. ई. 11/ई. एस./सी. एफ. एम./ओ./मिनि./1.—श्री केवल कृष्ण मोनी को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में दिनांक 1-8-1980 से अनुभाग अधिकारी (लिपिक वर्गीय) के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं. ई. 11/ई. एस./सी. एफ. एम./ओ./मिनि./11.—श्री ईश्वर चन्द्र कक्कड़ को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में दिनांक 1-9-1980 से अनुभाग अधिकारी (लिपिक वर्गीय) के पद पर स्थायी किया जाता है।

ले. फ्रां. जे. फ्रेडम
महा निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और में. राम रूप जगन नाथ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. 3383/21448—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसार में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर में. राम रूप जगन नाथ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण न दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

डी. एन. पेंग
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं प्रेरणा फायनेंस प्राइवेट लिमिटेड, के संबंध में।

ग्वालियर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. 1157/लिखित./सी. पी./5247/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि प्रेरणा फायनेंस प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, खण्डपीठ, इन्दौर को आदेश दिनांक 1 अक्टूबर, 1981 के द्वारा परिसमापन करने का आदेश दिया गया है तथा

सरकारी समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर।

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. एफ. 48-ए. डी. (ए. टी.)/81—श्री अ. रामा-कृष्णन, अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में दिनांक 26-9-1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 27-8-1981 की अधिसूचना क्रमांक एफ. 48-ए. डी. (ए. टी.) 81 (11) को अब आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर 26-12-1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री अ. रामा-कृष्णन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी. डी. शुक्ला
अध्यक्ष

प्रकरण प्रार्थी • टी • एन • एस • ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2907—यतः मुझे, जे. एस. अहलुवालिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तय न हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में मुद्रिणा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में या के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह वासी कोटकपुरा, तहसील और जिला, फरीदकोट। (अन्तरक)

2. श्री दर्शन कुमार और प्रेम कुमार सुपुत्र हंस राज सुपुत्र श्री चानन राम द्वारा मैसर्स हंस राज जगदीश राय कमीशन अजेंट्स, कोटकपुरा तहसील और जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 558 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एस. अहलुवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन राज, जालन्धर

तारीख : 7-12-81
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2908—यतः मुझे, जे. एस. अहलवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री सूरत सिंह वासी कोटक-पुरा तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री देस राज और हंस राज सुपुत्र श्री चानन राम द्वारा मैसर्स हंस राज जगवीश राय कमीशन एजेंट्स, कोटकपुरा, तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 559 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एस. अहलवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 7-12-81

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2909—यतः मुझे, जे. एस. अहलवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसाकि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
कोटकपुरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीद-
कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री परमवीर सिंह पुत्र श्री हरिन्द्र सिंह और धुरबचन
सिंह पुत्र तथा सिंह वासी कोटकपुरा, तहसील और
जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री हंस राज द्वारा मैसर्ज
हंस राज, जगदीश राय कमीशन एजेंट्स कोटकपुरा
तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 578 दिनांक मई,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया
है।

जे. एस. अहलवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन राज, जालन्धर

तारीख : 7-12-81
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2910—यतः मुझे, जे. एस. अहलुवालिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री कुलीदप सिंह पुत्र श्री सुरत सिंह वासी कोटकपुरा, सहसील और जिला फरीदकोट।
(अन्तरक)
2. श्री बसे राज और हंस राज पुत्र श्री चानन राम द्वारा मैसर्स हंस राज जगदीश राय कमीशन एजेंट्स, कोटकपुरा सहसील और जिला फरीदकोट।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि चिलेख नं. 579 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एस. अहलुवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 7-12-81
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2906—यतः मुझे, जे. एस. अहलुवालिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री रुर चन्द पुत्र श्री शिवू राम द्वारा मैसर्ज शिवू राम, सुरेश कुमार, कोटकपुरा तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण और हीरा लाल सुपुत्र श्री गंगा राम द्वारा मैसर्ज सुरता मल गंगा राम, कोटकपुरा तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 196 दिनांक अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एस. अहलुवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 7-12-81

मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एच. एस. -----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए एस. आर/81-82/269---यतः मुझे, आनन्द सिंह आर्द् आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट है, तथा जो माल रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री जसपाल सिंह पुत्र सोहन सिंह 39 लार्से रोड अमृतसर और बलोजन सिंह और किरपाल सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी 39 लार्से रोड गजिन्द्र कौर माता और मुख्तार आम।

(अन्तरक)

2. डा. अमृतलाल सिंह पुत्र डा. इशर सिंह कोठी नं. 29 गवर्नमेंट कालोनी, अमृतसर।

3. जैसा ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो, (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट का जो 299.9 ब. मी. है जो माल रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 271/6-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आर्द् आर एस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख : 25-11-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए एस आर/81-82/270—यतः मुझे, आनंद सिंह आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक प्लॉट है तथा जो माल रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती गजिन्द्र कौर विधवा सोहन सिंह 39 लारेंस रोड, अमृतसर, मुख्तार आम जतिन्द्र कौर और लखावीर कौर पुत्रियां सोहन सिंह वामी 39 लारेंस रोड अमृतसर।
(अन्तरक)
2. डा. अमृतलाल सिंह पुत्र डा. इशर सिंह कोठी नं. 29 गवर्नमेंट कालोनी, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए का रता हूँ।

त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट का जो 229.9 व. मी. है जो माल रोड अमृतसर में है जैसा कि सेन डीड नं. 270/6-4-81 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 25-11-81
मोहर :

प्रमुख आर्क्ष. टी. ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/271—मत: मुझे, आनन्द सिंह आर्क्ष आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक प्लॉट गांव तुंग पाहन सब अर्बन बटाला रोड अमृतसर है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपायवध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में अन्तर्गत रूप से अधिक नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिगत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

3-406GI/81

1. श्री हजारा सिंह सूरत सिंह, निवासी तुंग पाहर् तह-सील ब जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रनधीर कुमार खाना पुत्र रतन चन्द दसीदा सिंह रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

4. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ओर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 3259 ब. ग. जो गांव तुंग पाहर् सब अर्बन (गली बांके बिहारी लाल) बटाला रोड के दूर अमृतसर में है जैसा कि सेल डी नं. 643 तिथि 9-4-81 अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आर्क्ष आर एस
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख : 28-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/272—यतः मूझे, आनन्द सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं. भूमि जो है तथा जो गांव गुलेलड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन सिंह पुत्र हजारा सिंह पुत्र जय सिंह गांव गुलेलड़ा तहसील जिला गुरदासपुर।
(अन्तरक)

2. श्री विलावर सिंह पुत्र कंधारा सिंह पुत्र किशन सिंह गांव गुलेलड़ा तहसील जिला गुरदासपुर।
(अन्तरिती)

4. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ओर कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 25 कनाल 5 मरले जो गांव गुलेलड़ा में है तहसील व जिला गुरदासपुर में है जैसा कि सेल डी नं. 152/8-4-81 गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख : 7-11-81
मोहर :

प्रकृत आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/273---यतः मुझे, आनन्द सिंह आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. 1/2 भाग मकान नं. 2029/8 है, तथा जो बाजार टोकेरिया अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री राम सिंह पुत्र भगत सिंह, बाजार गली टोकेरिया अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रान नाथ पुत्र राम परकाश कटड़ा भाई संत सिंह अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टी

1/2 भाग मकान खाना नुमारी नं. 2322, 2332/19, 2092/19 व 2029/8 जो बाजार टोकेरिया अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 522/8-4-81 रजिस्ट्री अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, अमृतसर

तारीख 24-11-81
मोहर :

प्रकरण कोर्टो टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/274—यसः, मुझे,
आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/2 भाग मकान का है तथा जो बाजार टोक-
रियां अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायधु में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कॉर्पोरेट अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत; उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किंचित जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अग्रार्थ :-

1. श्री राम सिंह पुत्र अमृत सिंह बाजार व गली टोकरियां
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रान नाथ पुत्र राम परकाश, कटडा भाई संत सिंह
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति की वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं. 2029/28 जो बाजार व गली टोकरियां
अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 521/8-4-81 अमृतसर में
वर्ज है ।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 24-11-1981
माहुर :

प्रकृष्य आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, 18 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर/81-82/275—यतः मुझे,
आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. एक दुकान है तथा जो गली तवाड़ियां अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—1. श्री अबुध्या नाथ-पुत्र दया राम, 20, रसे कोरस
रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री हरी सरन नरिंदर कुमार, सुरिन्द्र कुमार बबिन्द्र
कुमार पुत्र करम चंद, चौरस-ती अटारी, अमृतसर।

(अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वस्थीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 3650/11 और 275/11-28 एम. सी. ए.
जो गली तवाड़ियां बाजार, चौरस्ती अटारी अमृतसर में है जैसा
सेल डीडी नं. 1480/22-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख 18-11-1981

माहुर ॥

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/276—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आइ. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक भूमी का प्लॉट है तथा जो जेल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खुशी राम पुत्र जय चंद, करिष्ना मेहरा पत्नी डा. खुशी राम सुशील कुमार मेहरा पुत्र डा. खुशी राम 14 जेल रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री अरुण कुमार, अजय कुमार पुत्र चूनी लाला कटड़ा दूला, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतपुरी

एक प्लॉट 325 वर्ग गज है जो जेल रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 1002/15-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/277—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमारे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक दुकान है तथा जो गुरु बाजार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में क्रमविक्रय रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ प्रवर्तिका द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या विपत्ति में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शारी लाल सूत रिखी राम निवासी, अमृतसर, कटड़ा पुरजा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला बती पत्नी मनमा राम निवासी कटड़ा पुरजा, अमृतसर।

(अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रवर्तिका:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबल होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग में दुकान नं. 1745 और नं. 1844 और नं. 1989 और 90/4 खन्ना सूमारी जो गुरु बाजार में है जैसा कि सील डीड नं. 1425/1 ता: 21-4-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/278--यतः मुझे, आनन्द सिंह, आइ. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अमृतसर 1981

को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्दत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कानिष्ठ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के सिद्ध और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती उमा देवी विधवा मनमोहन नाथ शर्मा कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कोमला देवी सूर, पत्नी शमशेर सिंह सूर मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में कोई किरायेदार है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्राही है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्राही किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 1403 और नं. 1403-ए -10 जो कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 1062/16-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/279—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कटरा शेर सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-406GI/81

1. धन्ना शर्मा विश्वा करिशन कुमार शर्मा, वासी कटरा शेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कोसल्या देवी सुद पत्नी शमशेर सिंह सूब, मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 1403 ओ. र. नं. 1403-ए/12-10 जो कटरा शेर सिंह, अमृतसर में है जैसा सेल डी. नं. 1061/16-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख 26-11-1981

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/280—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक फैक्टरी शेड है तथा जो आबादी किराना
कार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धरवीर पुत्र चंद मल उर्फ चंद लाल, वासी कूचा
पंडिता गुर बाजार, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश कुमारी पत्नी बिज मोहन मलहोत्रा
कटड़ा भाई संत सिंह, गली गुजरां, अमृतसर।
(अन्तरिती)

*3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी शेड जो आबादी किराना कोट इसलामाबाद,
अमृतसर में है जैसा संल डीड नं. 2080/30-4-1981
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/281—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक फैक्टरी शेड है तथा जो आबादी किराना
काट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ने दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से रुचिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किता जाना चाहिए था, ठिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धरवीर पुत्र चांद मल उर्फ चंद लाल, वासी कूचा
पंडिता गुर बाजार, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मंसरज बिज मोहन मलहोत्रा एंड कंपनी, बुरह
भालेवाला इसलामाबाद, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी शेड जो आबादी किराना कोट इसलामाबाद,
अमृतसर में है जैसा कि सेल डीज नं. 2081/30-4-1981
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/282—यस: मुझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खाली प्लॉट है तथा जो जी. टी. रोड, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किन्हीं धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरंजन सिंह पुत्र जीवन सिंह द्वारा करतार सिंह पुत्र जसवंत सिंह, इस्ट मोहन नगर, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री गरचरण सिंह कपूर पुत्र बूटा राम, वासी कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर मालक मेसरज यू नीसन पैनस कोटबाबा दीप सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

*3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेंदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 4 कनाल 1 मरला जो जी. टी. रोड, 5 और 6 कि.मी. के बीच जालंधर की तरफ, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 675 तिथि 10-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 जंझपुरी, अमृतसर

तारीख : 24-11-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/283—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो बंसत एवेन्यू, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रजिन्द्र सिंह पृथ्वी चरतार सिंह, वासी तहसील
पुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री भूपिन्द्र कौर पत्नी भगवंत सिंह, वासी जौड़ा
पीपल, गली देवी वाली, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

इसे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा भाग एक कोठी नं. 412 जा 105 व.ग. है जो बंसत
एवेन्यू, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 1901/
29-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 21-11-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/284—युक्त: मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो बसंत एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रजिन्द सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी तहसील पुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी जोड़ा पीपल, गली धेवी वाली, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग एक कोठी नं. 412 जो 105 व.ग. है जो बसंत एवेन्यू, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीज नं. 685/10-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, 3 चन्द्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 21-11-1981
मोहर :]

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/285—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आइ.टी.एन.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्रीमती मान कौर विधवा जगीरी मल खन्ना लारेंस
रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री सरवारी लाल खन्ना पुत्र जगीरी मल खन्ना, लारेंस
रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

20 प्रतिशत भाग फौदरी बिल्डिंग जो बटाला रोड, अमृतसर
में है जैसा कि सेल डीड नं. 1572/23-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.टी.एन.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 23-11-1981

मोहर :-

प्रकृप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/286—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 2 कनाल भूमि है तथा जो गांव साली, तहसील पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध वनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(न) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याग या किसी वन या अन्य आश्रितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राजेश्वर प्रकाश पुत्र सुमेर चंद दासी डांगू रोड, पठानकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री चमन प्रकाश पुत्र सुमेर चंद, दासी डांगू रोड, पठानकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट भूमि का जो 2 कनाल है और जो कि गांव साली तहसील पठानकोट में है जैसा कि सेल डीड नं. 261/21-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3, बंगलापुरी, अमृतसर

तारीख : 23-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. एस. पी./81-82/287—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

5-406GI/81

(1) श्रीमती विमला बति पत्नी जमन प्रकाश पुत्र सुमेर चंद बांगू, रांड, पठानकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश्वर प्रकाश पुत्र सुमेर चंद, वासी बांगू रांड, पठानकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट एक कनाल, 13 मरला, 193 फुट जो चक हसन, पठानकोट, म्युनिसिपल कमिटी के बीच है जैसा कि सेल डीड नं. 262/21-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3, चंदपूरी, अमृतसर

तारीख : 23-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेष्ट नं. ए. एस. पी./81-82/288—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो महिला ओंकार नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री पूरन चंद पुत्र बेली राम, वाली ओंकार नगर, गुरदासपुर। (अन्तरक)

- (2) श्रीमती बेंचल महाजन पति सुरिंद्र नाथ, वाली ओंकार नगर, गुरदासपुर। (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान 6 मरले जो ओंकार नगर, गुरदासपुर में है, जैसा कि सेल डीज नं. 560/29-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुरदासपुर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, 3, चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981
सोहर 3

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. पी./81-82/289---यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कोट बाबा दीप सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिकत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र रतन सिंह, वासी बाजार चूहड़, बेरी गलर अहदवाजा, अमृतसर व त्रिलोचन सिंह पुत्र दलीप सिंह, वासी आबादी इसट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलविंदर सिंह बबर पुत्र गुरबख्सा सिंह वासी चूहड़ बेरी, गली अहदवाजा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं. 2 में कोई किरायदार हो, बनवारी लाल, पना लाल, जगदीश राज सुनवार, सुरजीत सिंह, मनजीत सिंह, साधू सिंह।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 3800/29 जो 90 व. ग. है जो कोट बाबा दीप सिंह बाजार नं. 1, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीज नं. 1226/20-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 21-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/290—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद जो बाजार चूहड़ा, बेंरी कटड़ा, कर्म सिंह, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री चौधरी करतार सिंह पुत्र शेर सिंह, रानी का बाग, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री दरशन लाल पुत्र मदन लाल, वासी गांव चूगावां तहसील अजनाला, जिला अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग बिन्डिंग का जो 37 1/2 व.मी. है जो बाजार चूहड़ा बेंरी कटड़ा, कर्म सिंह, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 3026/तिथि 15-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/291--यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में एक जायदाद है तथा जो बाजार चूहड़ बेरी, कटड़ा
कर्म सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री चौधरी करतार सिंह पुत्र शेर सिंह, रानी का बाग,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री लाजपत राय पुत्र मदन लाल, वासी गांव चूगावां,
तहसील अजनाला, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायदार हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग बिल्डिंग का जो 37 1/2 व. मी. है जो बाजार
चूहड़ बेरी, कटड़ा कर्म सिंह, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड
नं. 1722/तिथि 24-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर
में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/292—यतः मूझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक शेड है तथा जो बरेका, अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,
1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मेसरज माडर्न टेक्सटाइल मिल्स, बरेका, द्वारा
श्री शाम सुंदर पुत्र चूनी लाल, वासी बरेका, अमृत-
सर।

(अन्तरक)

(2) मेसरज टी.एस. डाइनिंग व प्रिंटिंग मिलज, द्वारा
सत पाल पुत्र तुलसी राम कटरा, दूलो, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग फैक्ट्री शेड खसरा नं. 1346 जो बरेका, अमृतसर
में है जैसा सेल डीड नं. 1533/23-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/293—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. एक शेड है तथा जो बरेका, अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,
1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वार्थत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स दी माडर्न टेक्सटाइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड
कंपनी, द्वारा श्री शाम सुंदर पुत्र श्री लाल नायर,
डाइरेक्टर कंपनी, वासी बरेका, अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स टी. एस. डाइंग व प्रिंटिंग मिल्स द्वारा
सत पाल पुत्र तुलसी राम, कटरा बूलो, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग फैक्ट्री शेड, बसरा नं. 1346 जो बरेका, अमृत-
सर में है जैसा सैल डीड नं. 1001/15-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, अमृतसर में है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/294—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एम., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक फैक्ट्री है तथा जो बरेका, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री शाम सुंदर मेयर पुत्र सुनी लाल मेयर, बामी बरेका मूखतार खास बी माडर्न टेक्सटाइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, बरेका, (अमृतसर)।

(अन्तरक)

(2) मंसर्स टी. एस. डाइंग व प्रिंटिंग मिल्स, बरेका, अमृतसर राहरी श्री संत पाल पुत्र तुलसी दास, कटरा बूली, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4भाग फैक्ट्री शेड, बसरा नं. 1346 जो बरेका, अमृतसर में है जैसा कि सेंट डीड नं. 10473/3-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981
मोहर :

प्रथम भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/295---यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक फीट्टी है तथा जो बरेका, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

6-406GI/81

(1) श्री शाम सुंदर नेयर पुत्र चूनी लाल नेया, बासी बरेका मुखतार सास दी माइन टैक्सटाइल मिल्स, प्राइवेट लिमिटेड, बरेका (अमृतसर)।

(अन्तरक)

(2) श्री सत पाल पुत्र तुलसी दास कटरा दूलो, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग फीट्टी शेड, खसरा नं. 1346 जो बरेका, अमृतसर में है, जैसा कि सेल डीड नं. 2434/7-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख . 26-11-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/296--यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो दूरगियाना आबादी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री धरम पाल पुत्र छोटू मल, वासी फरीदाबाद, अब अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्द्र नाथ पुत्र अमर नाथ व त्रिपता रानी पत्नी नरिन्द्र नाथ, वासी 17-बी, रस कोर्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं. 219/13 जो आबादी दूरगियारा, अमृतसर में दर्ज है जैसा सेल डीज नं. 793/10-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/297—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं: एक मकान है तथा जो दूरगियाण आबादी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सत पाल पुत्र छांट मल, वासी हरी नगर, जिला कठूआ, जम्मू कश्मीर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्द्र नाथ पुत्र अमर नाथ व विप्रता रानी पत्नी नरिन्द्र नाथ, 17-बी, रसे कोर्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवर्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग, मकान नं. 219/13 जो दूरगियाण आबादी, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 791/तिथि 14-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/298—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो दूरमियाणा आबादी,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती राज रानी पत्नी रोशन लाल, वासी हीरा
नगर, जिला कठूआ, जम्मू काश्मीर।

(अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्र नाथ पुत्र अमर नाथ व त्रिपता रानी पत्नी
नरिन्द्र नाथ, 17-बी, रंग कोरस रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

*3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं. 219/13 जो दूरमियाणा आबादी,
अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 792 तिथि 10-4-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/299--यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक बिल्डिंग है तथा जो मेकलाड रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

1. श्री राम प्रकाश मदन लाल पुत्र किशन दास, प्लॉट नं.
5, द्वारा प्रेम सागर अग्रवाल पुत्र बेबी राम अग्रवाल
वासी लदमनसर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अजय सिंह पुत्र राम सिंह मेकलाड रोड, लाल
देवी बिल्डिंग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
पंडित ब्रज नाथ हायर सैकंडरी स्कूल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री चमन लाल और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जो लाल देवी बिल्डिंग के नाम से जानी
जाती है जो मेकलाड रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड
नं. 483/8-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में
दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 बंगलापुरी, अमृतसर

तारीख : 2-12-1981

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/300--यस: मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक बिल्डिंग है तथा जो मेकलाड रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

[(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वीरत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

[(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिर्मा
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया वा या किया जाना चाहिए वा जियाने में
गतिभग के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम प्रकाश, मदन लाल पुत्र किशन दास, प्लॉट नं.
5, द्वारा प्रेम सागर अग्रवाल, वासी लछमनसर,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री कर्नल सिंह पुत्र राम सिंह, मेकलाड रोड,
लाल देवी बिल्डिंग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

पंडित नैज नाथ हायर सेकेंडरी स्कूल

श्री चमन लाल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों कराया हुआ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाहेप:—

[(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

[(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जो लाल देवी बिल्डिंग के नाम से जाना
जाती है जो मेकलाड रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड
नं. 484/8-4-1981 रजिस्ट्रीकरी अधिकारी, अमृतसर में
दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 2-12-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन०, एस०—

अव्यक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/301—यतः भूक्त, आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं. एक बिल्लिंग है तथा जो मेकलाड रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभातः :—

1. श्री राम प्रकाश, मदन लाल पुत्र किशन दास, प्लॉट नं. 5, करिष्ठा भवन, बंबई द्वारा प्रेम सागर जूनरल अटार्नी।

(अन्तरक)

2. श्री जरनैल सिंह पुत्र राम सिंह, मेकलाड रोड, लाल देवी बिल्लिंग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

पंडित बंज नाथ हायर सेकेंडरी स्कूल

श्री मदन लाल

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्लिंग जो लाल देवी बिल्लिंग के नाम से जानी जाती है जो मेकलाड रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 485/8-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, 3 बंगपुरी, अमृतसर

तारीख : 2-12-1981

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/302---यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक बिल्डिंग है तथा जो कटरा शेर सिंह,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री सर्वधाम चतरथ पुत्र शूनी लाल चतरथ, ग्रीन
एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री ज्वाला दास पुत्र राम चंद, किशन लाल पुत्र राम
चन्द, सुभाष चंद्र पुत्र राम चन्द, कटरा शेर सिंह,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों।
अबनाश कपूर, बलवीर राम, सुभास फलवाला और
बलवीर चन्द और अबराम।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं. 1532/ X-II-II जो कटरा शेर सिंह,
अमृतसर में है जैसा कि सेल ड्रीड नं. 515/8-4-1981
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 30-11-1981
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1492 अर्जन रंज 23-1/81-82—यतः मूझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट, बिल्डिंग है तथा जो शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तब किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-406GI/81

(1) श्री मंगनलाल हाकेमचंद उडानी के/ओ एम. हाकेमचंद अन्ध कम्पनी, 216, डा. भंडारकर मार्ग, लेमिस्टन रोड, बोम्बे-7।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन जे. शाह, श्री जयकिशन जयंतीलाल शाह, शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है, कुल क्षेत्रफल 161-4-72 वर्ग गार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2332/81/1-4-81 में किया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख 4-12-1981
मोहर

प्रारूप ग्राह्य टी० एन० एस०-----
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भारत सरकार

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1491 अर्जन रज 23-1/81-82—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. बी-7, काहननगर सोसायटी है तथा जो शेरी नं. 7-9 पंचनाथ प्लाट शेरी, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

- (1) श्री विनेशकुमार बनीचंद कोठारी, सुगाडा रोड, पोरबंदर (अन्तरक)
- (2) श्री जयंतीलाल पोपटलाल दावडा, फ्लेट नं. बी-7, करननगर को. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड, शेरी नं. 7/9, पंचनाथ प्लाट, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. बी-7, करननगर सोसायटी, जिसका कुल क्षेत्रफल 950 वर्ग फिट, तथा जो शेरी नं. 7/9, पंचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विनिर्दिष्ट नं. 2717/10-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख 4-12-1981
 मोहर

प्रमुख आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

(1) धीलाबेन केशवलाल शींदे के/ओ श्री रुद्रावत्ता जे. रावल, बूवनगर, ध्रुव फ्लेट्स, रैया रोड, राज-कोट

(अन्तरक)

(2) भाखालाल नानजीभाई सोलंकी, 2 करनपारा, राज-कोट

(अन्तरिती)

ये वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1490 अर्जन रंज 23-1/81-82---यतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 136/1 पैकी है तथा जो रैया रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 136/1 पैकी कुल क्षेत्रफल 554-8-0 वर्ग याड्स, जो रैया रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2804/14-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-12-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1489 अर्जन रंज 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. अँगल अपार्टमेंट में फ्लैट, शेरी नं. 22 है। तथा जो जागनाथ प्लॉट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-81 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

- (1) श्रीमती भानुमती कनयालाल समानी (2) राजेन्द्र गोविंदजी कारीया की ओर से श्री कनयालाल लक्ष्मी-दास समानी 15, सरदारनगर, राजकोट (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कान्ताबेन अमरशी भाई खोरेचा 22, न्यू जाग-नाथ प्लॉट, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अँगल अपार्टमेंट में फ्लैट, शेरी नं. 22, जागनाथ प्लॉट, राजकोट में स्थित है। कुल क्षेत्रफल 1102 वर्ग फीट है तथा जिसका पूरा धरणन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 2477/2-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-12-1981
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

अर्जुन रंज, अहमदाबाद

निर्देश नं. रफे नं. पी. आर. नं. 1488 अर्जुन रंज
23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 330-331 प्लॉट नं. 18 पैकी सब
प्लॉट नं. 18 बी है। तथा जो धंवर रोड, राजकोट में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, ससम्बद्ध दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रु० से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा. यशवंतराय हरीशंकर भाई बफ्तरी आशीवाह
अनी बिसन्त रोड बरली, बोम्बे
(अन्तरक)

(2) में बलासीटी फोरजींग की ओर से भागीवार-वीठल-
सींग बटावाभाई जाडेजा। धंवर रोड, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 330-331, प्लॉट नं. 18 सब प्लॉट
नं. 18-बी, कूल क्षेत्रफल 750-3-0 वर्ग यार्ड है, तथा जो
टंवर रोड राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूरण वर्णन राज-
कोट रजिस्ट्रीकर्ता विफ्रीलि नं. 3181/24-4-81 में दिया
गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-12-1981
गोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1487 अर्जन रजि 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 294-3 टी पी. एस 6, एफ. पी. नं. 345 है। तथा जो पैकी पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री चंदूलाल भन्नीलाल पटेल श्री जयबेन चंदूलाल पटेल गांव फतेहपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) महेन्द्रपाक अपार्टमेंट्स आनेर्स असोसियेशन प्रमुख-गीताबेन देवराजभाई पटेल, पारुल फ्लैट, स्टैलाइज रोड आंधावाडी, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन पालडी अहमदाबाद में स्थित है, सर्वे नं. 294/3 टी. पी. एस., 6, एफ. पी. नं. 345 पैकी कुल क्षेत्रफल 742 वर्ग यार्ड है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजि-स्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 3499/15-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवेदन नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1486 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3, बाड़कवे में स्थित है तथा जो तालुका दसकोई, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-4-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में तृतिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में तृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परसातमबास प्रभुभाई उर्फ प्रभुबास रानगार रोरी, सरसपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री अंबालाल राममंगजी ठाकोर गांव-बोड़कवे तालुका दसकोई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बोड़कवे सीम में स्थित है, सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी जिसका कुल क्षेत्रफल अंकर 1-7.5 गुंठा है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रील नं. 4184/16-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981

मोहर :

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1485 अर्जन रेंज 23-1/81-82—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी है, तथा जो बोडकदेव सीम तालुका वसफोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण = से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भरत कुमार परसोत्तमदास प्रभुभाई उर्फ प्रभुदास, शानगार शेरी सरसपुर, अहमदाबाद।
1. श्री भरत कुमार परसोत्तमदास सगीर एल. एच. श्री परसोत्तमदास प्रभुभाई उर्फ प्रभुदास, शानगार शेरी सरसपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अंधालाल रामसंगजी अफोर गांव--बोडकदेव, तालुका वसफोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बोडकदेव सीम में स्थित है, जिसका सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी कूल क्षेत्रफल एकर 1-7.5 गूँठा है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखाना नं. 4185/16-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1484 अर्जन रंज 23-
1/81-82—यस: मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी है,
तथा जो बोडफदेव तालुका-दसफोट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या क्रिया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
8—406GI/81

1. श्री रतछाडलाल परमोत्तमदास (एच. यू. एफ.)
और अन्य शनगार शेरी, सरसपुर अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री अंबालाल रामसंगजी ठाकोर गांव-बोडफदेव तालुका-
दसफोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन बोडफदेव सीममें स्थित है, जिसका सर्वे नं. 68-1,
68-2, 68-3 पैकी कुल क्षेत्रफल एकड़ 17.5 गुंडा है। तथा
जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद राजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीत नं.
4983/16-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-1-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1483 अर्जन रेंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम में संशोधन है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी नं. सर्वे नं. 792 पैकी 1/3 शेर है। तथा जो मकरवा सीम, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-81

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित तय किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या जो कभी कभी प्रकट था, लिपि में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आत्माराम विट्ठल भाई पटेल और अन्य, महता-मपुरा, सीटी तालुका, जिला-अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री करसनभाई फुलाभाई आंबावाडी, कोषवभुवन, अहमदाबाद (1) श्री तलजाभाई फुलाभाई गांव तैवली, मेहसाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्राम मकरवा सीम में स्थित है, सर्वे नं. 792, जिसका कुल क्षेत्रफल एकड़ 4-33 पैकी 1/3 शेर, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीवित नं. 3504/3-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1482 अर्जन रोज 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभ्यता प्राधिकारी का, यह विस्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपए से अधिक है और

और जिसकी सं. सर्वे नं. 475/2 है। तथा जो थलसेज ग्राम सीमा जिला-अहमदाबाद तालुका दमफोर्ड में स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्यता की गई है और मुझे यह निश्चय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किमा धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमा करने या इससे बचने में सुविधा के लिए अधिदा;

(ख) ऐसी किमा धाय या किसी ध- या अन्य भास्त्रियों को, जिन्हें आरक्षित आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) नारनभाई वीरमभाई बारोट गांध-थलसेज, तालुका-दमफोर्ड जिला-अहमदाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री केशवलाल रामसंगभाई चौधरी (2) लालजीभाई रामसंगभाई चौधरी (3) गणेशभाई रामसंगभाई चौधरी (4) श्रीवाभाई रायसंगभाई चौधरी ममनगर, महादेव मंदिर के नजदीक, सिटी तालुका जिला--अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धायेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो या अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, थलसेज सीमा में स्थित है, जिसका सर्वे नं. 475/2 जिसका कुल क्षेत्रफल एकर 0-38 गुंठठा है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीबाता नं. 4503/24-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1481 अर्जन रंज 23-1/81-82—यतः मूके, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं. सर्वे नं. 68/1, 68/2, 68/3 पैकी है, तथा जो बड़कदेव, तालुका वसफोर्ड में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1981 को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती मनीषेन परसोत्तमदास परजुभाई उर्फ प्रभदास शनगार शेरी, सरसपुर, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. अंणालाल रामसंगजी ठाकुर गांव--बड़कदेव, तालुका वसफोर्ड, जिला अहमदाबाद। (अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिस करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी जिसका कुल क्षेत्रफल एकर 1-7.5 तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखता नं. 4182/16-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1480 अर्जन रज
23-1/81-82--अतः सूचे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 392 चौकी 1/3 शेर है, तथा जो
मकरबा सीम, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूचे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री आत्माराम बीठलभाई पटेल और अन्य महानामपुरा,
सीटी तालुका, जिला-अहमदाबाद।
(अन्तरक)
2. श्री सरतानभाई बोरसीभाई गांव वस्त्रापुर, सीटी
तालुका जिला-अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोध्याश्रम के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गाम मकरबा सीम, सर्वे नं. 792, जिसका कुल
क्षेत्रफल एकर 4-33 चौकी 1/3 शेर तथा जिसका पूर्ण वर्णन
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीलाता नं. 3506/3-4-1981 में
दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981
सहूर :

प्रकट नम्बर टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1479 अर्जन रेंज
23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं. 792 चौकी 1/3 शेर है, तथा जो मकरवा
सीम जिला--अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 3-4-81

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. श्री आत्माराम विठ्ठलभाई पटेल और अन्य महात्म-
पुरा, सिटी तालुका, जिला--अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एनछोडभाई लीलाभाई गांव-वस्त्रापुर, सिटी
तालुका, जिला--अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव मकरवा सीम सर्वे नं. 792 है, जिसका कुल
क्षेत्रफल एकर 4-33 चौकी 1/3 शेर, तथा जिसका पूर्ण वर्णन
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखाना नं. 3505/3-4-81 में
दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-11-1981
मोहर:

प्रकृष आर्. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1478 अर्जन रोज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. सी. एस. नं. 714 चौकी 472/1 टीका नं. 35, एस. नं. 19 है, तथा जो सी. एस. नं. 746 कारीया रोड, अमरेली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगेस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री मधुसदन रनीलाल वालीय 553, सदेनवाला रोड, भाटुंगा, बोम्बे-19।

(अन्तरक)

2. (1) श्री किशोरभाई दूबे (2) श्री मूकेशभाई माहम-भाई दूबे, फारीया रोड, मधुकुंज, अमरेली।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 'मधुकुंज' नाम से प्रचलित है, जिसका सी. एस. नं. 714 है, जिसका कल क्षेत्रफल 810 वर्ग मीटर है और एस. नं. 292/1 सी. सी., एस. नं. 746 चौकी 520 वर्ग वाड, तथा जो कारीया रोड, अमरेली में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अमरेली रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता नं. 581/अप्रैल, 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1477 अर्जन रंज 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 76-2, प्लॉट नं. 12 है। तथा जो गांव, नानामावा, जिला - राजकोट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री शारदा नरभेराम पारख, पारख बिल्डिंग, कनक रोड, 22, करनपरा, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री वीरेंद्रकुमार कनुभाई डांसी 66, चक्र बरीया रोड, नोर्थ कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 697-1-0 वर्ग गज है, सर्वे नं. 76-2, प्लॉट नं. 12, तथा जो गांव नानामावा, जिला राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वरणन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 3192/24-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81
मोहर :-

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1476 अर्जन रज
23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्रिम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 85/1 प्लॉट नं. 43 है। तथा जो
गांव पैपा, जिला राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 22-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

9-406GI/81

1. श्री मनसुखलाल केशवलाल पारखे पैलेस रोड, बाल-
कृष्ण निवास, राजकोट।

(अन्तरक)

2. (1) प्रकुलाबेन प्रवीणचन्द्र वसानी, (2) ज्योत्सनाबेन
सुरेशकुमार, (3) इलाबेन भरतकुमार, 7 रघुवीर-
परा, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 637-4-72+692-4-72 वर्ग
गार्ड है, सर्वे नं. 85/1, प्लॉट नं. 43, तथा जो गांव पैपा
जिला राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वरणन राज-
कोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2361 और 2362/22-4-81
में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1475 अर्जन रंज
23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सीट नं. 421 सी. नं. 1, नं. 7/5801 है
तथा जो मांडवी प्लाट, गोंडल रोड, राजकोट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
3-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रांतीयक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यवास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री युसुफअली एच. कापड्गीया, 105/107, डीम-
टीमकर स्ट्रीट, बोम्बे।

(अन्तरक)

2. श्री (1) अशोक हीराचन्द और अन्य कल्याण सोसा-
यटी 'सुन्दरवीला' राजकोट, (2) मे. प्रेसीशन प्रोड-
क्ट्स 'सुन्दरवीला', कल्याण सोसायटी, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 724-0-36+550-0-0 वर्ग
गज है, सीट नं. 421, सी. नं. 1, नं. 7/5801 तथा
जो गोंडल रोड, मांडवी प्लाट राजकोट में स्थित है तथा जिसका
पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीत नं. 2398 और
3399/3-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81

मोहर :

प्रमाण धार्मिक टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेदन नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1474 अर्जन रंज
23-1/81-82--अतः मूक, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 192, 216-692, प्लॉट नं.
1095 है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपायवध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-4-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री धरमशी भावजी, केनल रांड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री चको फाउन्ड्री एन्जी. वर्कस की ओर से श्री
लालजी करमशी भाई अजी उद्योग बसान, राज-
कोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 980 वर्ग गार्ड है जिसका सर्वे
नं. 192-216-692 तथा जो राजकोट में स्थित है, तथा
जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता ऑफिस नं.
1851/4-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81

मोहुर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेदन नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1473 अर्जन रज-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब 6 अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 9, सब प्लॉट नं. 3 (3) है तथा जो योगीवन्दना एरीया, सहकार नगर रोड, महीला कॉलेज होस्टल के नजदीक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-4-81

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1, श्री दीनेश भगवान जी नाथवानी 'मंगलम', 27, प्रह्लाद प्लाट, प्रह्लाद रोड, राजकोट। (अन्तरक)

2. श्री रमनलाल मनीलाल शाह, 107, टाउन क्वार्टर्स, टाटा कंसीकल्स लिमिटेड भीहीचुर, जिला - जाम - नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रेणी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान जिसका प्लॉट नं. 9, सब प्लॉट नं. 3 (3), जिसका कुल क्षेत्रफल 125.44 वर्ग मीटर, तथा जो योगीवन्दना एरीया महीला कॉलेज के नजदीक राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बीकखत नं. 2712/28-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81
मोहर :

प्रकरण मा० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1472 अर्जन रोज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इनका स्थान 'उक्त अधिनियम' रखा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सज्जम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 388 है तथा जो रेलवे स्टेशन के नजदीक, राजुला, जिला-अमरेली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजुला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करन या उक्त उच्च में सुविधा के लिए; या/या

(ख) किसी कितने धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पुंजाभाई रानीगभाई ठंडा प्रिया डुंगरा, राजुला।

(अन्तरक)

2. श्री अनंतराय दुर्लभदास डोसी जवाहर रोड, राजुला, जिला - अमरेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में कए जा सकेंगे

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीलकत जिसका सर्वे नं. 388, जो रेलवे स्टेशन के नजदीक राजुला, जिला अमरेली में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजुला रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 1550/अप्रैल 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

रफ. नं. पी. आर. नं. 1471 अर्जन रंज 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मील्कत मकान है। तथा जो स्टेशन रोड, धांगड़ा, जिला - वधाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धांगड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--

1. श्री बरजोरजी नवरोजजी पालीया और अन्य माछली पीठ वाडीया स्ट्रीट, सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मंजीभाई ए. पटेल, (2) श्री करमशी शीवजी, (3) श्री गोपाल शीवजी पटेल, (4) श्री नारन बी. पटेल और अन्य गांव - धावडा जिला-केच्छ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो स्टेशन रोड पर स्थित है धांगड़ा में, जिसका कुल क्षेत्रफल 1432 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन धांगड़ा बिक्रीक्षित रजिस्ट्रार नं. 431/8-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81
माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/30573/81-82/एक्वी.
बी.—सतः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 275/ए और 275/बी है, तथा जो राजमहल,
विलास एक्सटेन्शन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—386GI/81

(1) दिवंगत श्रीमती तायम्मा वीरन्तगौडा की इच्छापत्र
का उत्तरसाधक है, (1) श्री एम. रामन्, पी. ए.
हॉलडर है, श्री के. टी. चंदु, (2) श्री के. टी.
चंदु, मद्दुर, मंड्या (डी.)।

(अन्तरक)

(2) श्री एन. श्रीराम रेड्डी, सं. 28-29 में रहनेवाला
यमुना बाई रोड, माधवनगर, बंगलूर-1।

(अन्तरिती)

(3) दि. चीफ इन्स्पेक्टर आफ वारशीप इक्वीपमेंट, दक्षिण
जोन, 275/ए और 275/बी, राजमहल, विलास
एक्सटेन्शन, बंगलूर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 30/81-82 ता. 1-4-1981)
पर सम्पत्ति है, जिसके सं. 275/ए और 275/बी,
राजमहल एक्सटेन्शन, बंगलूर।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 5-12-1981
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/30576/81-82/एक्वी बी.—यतः मुझे, भंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. कार्पोरेशन सं. 5, भूमि सं. 22 है, तथा जो कुमारकोट, 1, कास, कुमारक्रुपा रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री बिहारीलाल होलाराम मेंघा, (2) श्री गिरिधरिलाल होलाराम मेंघा, दोनों श्री होलाराम मेंघा के पुत्र हैं, उन्होंने 22-5, कास कुमारक्रुपा रोड, बंगलूर में बसते हैं।

(अन्तरका)

(2) श्री दौलतराम धर्मदास पु./के. धर्मदास 59, आस-बार्न रोड, अलसूर, बंगलूर-42

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावज सं. 402/81-82 ता. 27-4-81)

कार्पोरेशन सं.-5, भूमि सं. 22 में है, कुमारकोट लेबाउट 1 कास, कुमारक्रुपा रोड, बंगलूर में स्थित है।

उत्तर में—भूमि सं. 23

दक्षिण में—भूमि सं. 21

पूर्व में—एक रोड

पश्चिम में—कम्पाउण्ड बीवार-निजि संपत्ति का।

भंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 5-12-1981

मोहर :

प्रमुख आर्क. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. सी. आर. नं. 62/31787/81-82/ए. सी. व्यू. बी.—यतः मूझे, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 631/1 टि. एस. सं. 491/1 और आर. एस. सं. 613/1, टि. एस. 491/1 तथा निर्माणका सं. 5-9-1009/1 से 5-9-1009/12 तक है, तथा जो मंगलूर सिटी कॉर्पोरेशन के काम्बला वाड, कोडियल बेलगांव में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कपो करने या छमने करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
—406GI/81

(1) श्री एम. पद्मनाभ राव, पु./के बोकट रात्र, मर्चण्ट अशोक नगर, मंगलूर-61

(अन्तरका

(2) 1. जनाब मोहम्मद साफि, 2. श्रीमती वीणातमा सं. एक की पत्नी, डा. मि. पि. हबीब किलनर, मंगलूर, जि. पि. पकड़ने वाले, इनको प्रदर्शन करने वाले हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावण सं. 82/81-82 तारीख 15-4-81)

भूमि आर. एस. सं. 613/1, टि. एस. सं. 491/1-7 1/2 सेन्ट और आर. एस. सं. 613/1, टि. एस. सं. 491/1 - 7 1/2 सेन्ट मिलकरके 15 सेन्ट, के साथ निर्माण के सं. 5-9-1009/1 से 5-9-1009/12 तक है, वे मंगलूर सिटी कॉर्पोरेशन के काम्बला वाड, कोडियल बेलगांव में स्थित हैं।

उत्तर और दक्षिण—टि एस. सं. 491/1 का एक भाग है
पश्चिम—राज मार्ग
पूर्व—टि. एस. सं. 490/1

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 7-12-1981
सील :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. नं. सी. आर. 62/31791/81-82/ए. सी.
क्यू. बी.—यतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. 43/1 है, तथा जो चोक्कसंद्र गांव, यशवंतपुर
होबली बंगलूर, उत्तर तालुका बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर, उत्तर तालुका में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 13-9-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद
पाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कसूम सिंग नामजोशी, एस. सं. 43/1,
चोक्कसंद्र गांव, यशवंतपुर, होबली, बंगलूर उत्तर
तालुका, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री ए. पी. मेहता, (2) श्री जे. ए. मेहता,
(3) श्री डी. ए. मेहता, सं. 195, अप्पर
पेलेस, आरबरडम, बंगलूर-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 819/81-82 ता. 13-4-1981)
पर संपत्ति है, जिसका एस. सं. 43/1, चोक्कसंद्र गांव,
यशवंतपुर, होबली, बंगलूर उत्तर तालुका।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 7-12-1981
मोहर :

प्रकट नम्बर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 208/81-82--यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 16-2-46/1 है, जो मलकपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) डा. एन. रामचंद्रा रेड्डी पिता एन. रंगा रेड्डी, बरमींग हाम, यू. के., जी. पी. ए., श्री नारै सारथ पिता डा. एन. रामचंद्रा रेड्डी, आफिसर, वकीर सुलतान बोबाको कं., स्टाफ क्वार्टर्स, रोड नं. 3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद समीउल हक पिता मुहम्मद अब्दुल हक, जवदाह, सऊदी अरबीया, जी. पी. ए., श्री मोहम्मद अब्दुल हक पिता मोहम्मद अब्दील हक, 16-2-46/1, अकबर बाग, मलकपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर और भूमि नं. 16-2-46/1, अकबर बागों मलकपेट, हैदराबाद। विस्तीर्ण 681.94 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2167/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 2-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. यं. सी. नं. 209/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो पीरभादीगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्पल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री टी. रामय्या चौधरी पिता लेट लक्ष्मी परुमल, घर नं. 294, तारनाका, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम. इव्वीरा रेड्डु पति श्री एम. शशीदर, 28, लालागुडा, सिकंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 3 एकड़, सर्वे नं. 64, पीरभादीगुडा गांव, हैदराबाद पूर्व तालुका, हैदराबाद जिला। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1325/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, उत्पल।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 3-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 210/81-82—यतः मुझे, एम. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिमकी सं. 3-6-138 है, तथा जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस. प्रसन्ना राजू पिता डा. पी. राजू और अन्य, 41 स्वस्तीक रोड, शांतिनगर, बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्लाटिनीम कन्स्ट्रक्शन्स, बाइ उमरावलान गुप्ता, चारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना

लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम. सी. एच. नं. 3-6-138, हीमायतनगर, हैदराबाद। विन्तीर्ण 969.70 चौ. गज। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं. 1935/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबादतारीख : 3-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. यो. सी नं. 211/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 3-6-138 है, तथा जो हीमायतनगर, हैदरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख एप्रिल, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्री एस. प्रसन्ना राजू पिता डा. एस. पी. राजू और
अन्य, 41 स्वस्तीक रोड, शांतीनगर, बंगलोर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्लेटीनम कन्सल्टन्स, बाई उमराबलाल गुप्ता
चारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर एम. सी. एच. नं. 3-6-138, हीमायतनगर, हैदरा-
बाद। विस्तीर्ण 480. चौ. गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.
2001/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 3-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 विसम्बर 1981

निर्देश सं. ये. सी. नं. 212/81-82—यतः मूके,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. खुला प्लॉट है, तथा जो बंजारा हिल्स हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख एप्रिल, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बहूद्दीन त्याब्जी पिता लेंट फ़ज़ बी. त्याब्जी,
8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहिल्स, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री सी. अंजनय्या रेड्डी, पिता नरसीम्हा रेड्डी,
3-6-212, हीमायतनगर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं. 5, सर्वे नं. 129/62, बंजाराहिल्स,
हैदराबाद। विस्तीर्ण 1012 चौ. गज। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं.
1666/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. यो. सी. नं. 213/81-82—यत मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और ज़मीन सं. खुली जमीन है, तथा जो बंजाराहील्स, हैदरा-
बाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री बब्रुद्दीन त्याज्जी पिता लैट फहज बी. त्याज्जी,
8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री एस. लक्ष्मी नरसीम्हा रेड्डी पिता लैट राघव
रेड्डी, 4-5-398, मूलतान बाजार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं. 4, सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5,
बंजाराहील्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1173.37 चौ. गज।
रजिस्ट्रीकर्ता विलेस नं. 1638/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. य. सी. नं. 214/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो नल्लाकुंटा, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनिदानों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

11-406GI/81

(1) श्रीमती सुमित्रा वाई हारीनाम नरनीया, 4-2-400,
मूलतानवाझार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) पद्मा को-आपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसाइटी लि.
1-8-702/51, नल्लाकुंटा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रयोगकर्ता के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 5,500 चौ. गज, नल्लाकुंटा, हैदराबाद
में स्थित है। जिसका सर्वे नं. 76 से 79 और सर्वे का भाग
नं. 12, वाई नं. 8 है। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1699/81।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 215/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो नल्लाकूटा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख एप्रिल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रविणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कृताः बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमित्रा बाई नारानीया, 4-2-400, मुल्तानबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) पद्मा के-आपुर्ण्टिव हाऊसिंग सोसाइटी लि., 1-8-702/51, नल्लाकूटा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 5824 चौ. गज, नल्लाकूटा, हैदराबाद, सर्वे नं. 76 से 79 और सर्वे नं. 12, वार्ड नं. 1, ब्लोक नं. 8 में स्थित है। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1700/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. यं. सी. नं. 216/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. खूला प्लॉट है, तथा जो बंजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री बद्रुद्दीन त्याब्जी पिता लेट फहज बी त्याब्जी, 8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री एम. नरसीम्हाणा पिता बेंकट रामय्या, पोर्टी श्रीरामलूनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन नं. 6 सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5, बंजाराहील्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1157.22 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1758/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 217/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खुला प्लॉट है, तथा जो बंजाराहिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री बद्रुद्दीन त्यान्जी पिता लेट फइज बी त्यान्जी, 8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री पी. एल. संजीवा रेड्डी पिता पी. लक्ष्मय्या, प्रीन्सेस विला, चौराम अली लेन, हैदराबाद। (अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं. 6, सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5, बंजाराहिल्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1183 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1774/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. यं. सी. नं. 218/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. खुला प्लॉट है, तथा जो बंजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह—

- (1) श्री बद्रुद्दीन त्याब्जी पिता लेट फद्दज बी त्याब्जी, 8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री बद्रुद्दीन त्याब्जी पिता लेट फद्दज बी. त्याब्जी 8-2-406, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद, श्री बी. बाबू राव पिता पुल्लय्या, रीम्मना पूड़ी गांव, तालुका पामरू, जीला कोण्डा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं. 5, सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5, बंजाराहील्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1066.29 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1776/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 219/81-82—यतः मुझे, एम.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि का भाग है, जो शंकर पेट, गांव हैदराबाद
स्थित है (और इसमें उपायद्वध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिरी की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरिरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री आर. कोटेश्वराय पिता आर. रामय्या, यल्ला-
रेड्डी गुडा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री के. अंजी रेड्डी डाक्टर, पिता के गोकट
रेड्डी पंजागुटा, हैदराबाद

(अन्तरिरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करना हुआ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट का भाग सर्वे नं. 129/67, शंकरपेट गांव, हैदराबाद।
विस्तीर्ण 1173 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं. 2465/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

आर. डी. सी. नं. 220/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका रजिस्टर बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, जो गोलूर, इब्राहीमपटनम तालूक
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इब्राहीमपटनम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित संवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (1) श्री बसजी हारीदास कांटेचा पिता श्री हारीदास
जी कांटेचा, (2) श्रीमति भानुमति वसंजी कांटेचा,
5-9-22/42 और 43, आदर्श नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स मात्र वाग अलोयस मात्र ग्रुप गार्डन, 22-5-
191, एस्टलवाडी लेग, मूलभारहाउस, हैदराबाद-2
मनेजीगपार्टनर श्रीमति संगीता महेंदर, सुगंधी पति
श्री महेंदर मदनलाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण: 15 एकड़, 4 गुंठे, सर्वे नं. 259 और 2
जो गोलूर तालूक, इब्राहीमपटनम रंगारैड्डी जिला में स्थित है।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 360/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी इब्रा-
हीमपटनम।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 221/81-82---यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो साहेबनगर, कूड, आर. आर. जिला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद पूर्व में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. (1) बोभीडी नागय्या अलीयास नागी रेड्डी, पिता नरसीम्हा रेड्डी
- (2) बी. धरमा रेड्डी पिता नागय्या
- (3) बी. लक्ष्मीकांता रेड्डी पिता धरमा रेड्डी
- (4) बी. सुनीता पिता बी. धरमा रेड्डी
- (5) बी. अनीता पिता बी. धरमा रेड्डी
- (6) बी. ऊरमीला पिता बी. धरमा रेड्डी
- (7) बी. नरसीम्हा रेड्डी पिता नागय्या
- (8) बी. यादी रेड्डी पिता नरसीम्हा रेड्डी
- (9) बी. रंगारेड्डी पिता नरसीम्हा रेड्डी
- (10) बी. माधव रेड्डी पिता नरसीम्हा रेड्डी
- (11) बी. पुन्यम रेड्डी पिता नागय्या

- (12) बी. भोजरेड्डी पिता पुन्यम रेड्डी
 - (13) बी. ओम रेड्डी पिता पुन्यम रेड्डी
 - (14) श्रीनीवास रेड्डी पिता पुन्यम रेड्डी
 - (15) क. आरुणा पिता पुन्यम रेड्डी
 - (16) बी. भाग्यम रेड्डी पिता बी. नागय्या
 - (17) बी. बालरेड्डी पिता बी. भाग्यम रेड्डी
 - (18) क. इंदीरा पिता बी. भाग्यम रेड्डी
 - (19) क. संध्या पिता बी. भाग्यम रेड्डी
 - (20) अकीदी यादव्याअलीयास यादी रेड्डी
 - (21) जे. रंध्यशाम रेड्डी पिता जे. यादव्या
 - (22) जे. राजकीरण रेड्डी पिता जे. यादव्या
 - (23) जे. राजकुमार रेड्डी पिता जे. यादव्या
 - (24) जीता अंजी रेड्डी पिता नारायण रेड्डी
 - (25) जे. राजशेखर रेड्डी पिता अंजी रेड्डी
 - (26) जे. सुरेश्वर रेड्डी पिता अंजी रेड्डी
 - (27) क. सुनीता पिता अंजी रेड्डी
 - (28) क. अनीता पिता अंजी रेड्डी
- सभी साहेबनगर गांव, हायातनगर तालूक, रंगारेड्डी जिला के रहवासी हैं। और
- (29) मेसर्स स्वस्तीक एंटरप्राइजेस, 2, लालबहादुर स्टडीयम, हैदराबाद आइ। (1) घंटा राधाकृष्णय्या, गड्डी अन्नास, हैदराबाद और (2) के. प्रभाकर रेड्डी, अलायाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मेसर्स भाग्यलक्ष्मी को-आपरटिव हाउजिंग सोसाइटी टी. ए. बी., 76 रजिस्टर्ड आफिस, 1-1-192/2, श्रीकृष्णल्लू, हैदराबाद, अध्यक्ष श्री के अंजय्या पिता लट कोस्टय्या।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 38 एकड़, 4 गंठे, सर्वे नं. 52 से 57, 69 और 70 साहेबनगर, कूड गांव, हायातनगर तालूक, रंगारेड्डी जिला। रजिस्ट्रीकृत विनंश नं. 2749/81 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, हैदराबाद पूर्व।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 222/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5-8-28/1 है, तथा जो बशीरबाग, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—406 GI/81

- (1) (1) मोहम्मद महबूब बेग पिता लटे इब्राहीम बेग,
(2) मोहम्मद मजहूर बेग पिता महबूब बेग, (3)
मोहम्मद मुजफ्फर बेग पिता महबूब बेग,
(4) मोहम्मद महबूब अली पिता महबूब बेग,
(5) मोहम्मद झूलफेकर बेग पिता महबूब बेग,
19-3-380, शाहा अलीबंदा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती शारदा बाई पति नारायण राव गम्पा,
(2) श्री राजेश्वरराव पिता नारायण राव गम्पा,
(3) श्री संतोष कुमार गुप्ता पिता नारायण राव
गम्पा, 4-8-757, गवलीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर नं. 5-8-28/1 का भाग। नया नं. 5-9-29/3/10,
बशीर बाग, हैदराबाद। विस्तीर्ण 300 बी. गज। रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं. 1750/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हवैराबाद

हवैराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. आर. ये. सी. नं. 223/81-82--यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 5-8-28/1 है तथा जो बशीरबाग, हवैराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवैराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 अप्रैल, 1981

को अवैध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्तियुक्त कर्मियों या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को अग्रे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. मोहम्मद महबूब बेग और अन्य 4, 19-3-380, शाहाजली बंदा, हवैराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण राव गम्मा और अन्य, 4-8-757, गवलीगुडा, हवैराबाद।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं. 5-8-28/1 का भाग 1 तथा नं. 5-9-29/3/10, बशीरबाग, हवैराबाद। विस्तीर्ण 150 चौ. फुट। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1751/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हवैराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हवैराबाद

तारीख : 7-12-1981

मोहर :

प्रकरण आई० पी० ए० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. आर. यो. सी. नं. 224/81-82--यतः मझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. चावल की मील है तथा जो नेलोर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय नेलोर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशियाँ प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (1) परबथ रेड्डी वेंकट रेड्डी पिता पेन्ची रेड्डी।
- (2) परबथ रेड्डी सीवा मोहन रेड्डी पिता वेंकट रेड्डी, 21/20 ए बालाजीनगर, नेलोर।
- (3) मन्ना रामय्या पिता लक्ष्मय्य, वंगूरू गांव, कोऊर तालुक।

(अन्तरक)

2. (1) नागरपू रामक्रीष्णय्या पिता चीरमा बालय्या
- (2) नागरपू कनाय्या पिता चीरमा बालय्या
- (3) गुरमकोडा वेंकट रामनय्य पिता शंकरय्या नवावपेट, नेलोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चावल की मील, आशोक 1 चावल की मील, सेंट्टीगुन्टा रोड, नेलोर के नाम पर। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1277/81 रजिस्ट्रीकरी अधिकारी, नेलोर।

एस. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1981

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. आर. ये. सी. नं. 52/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

धायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 24-8-6 है तथा जो भीमावरम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय भीमावरम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती कालीदीनडी सकुंतलादेवी पति के. आर.
एस. बंगाराजुबहादूर, 380, गोधीनगर, डी.
नं. 1-1-38/ए, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डा. एम. बापा राजू पिता लक्ष्मीनरसीम्हाराजू शेअर-
मेन, महात्मागांधी मेमोरियल मेडिकल ट्रस्ट, भीमा-
वरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भारत का घर नं. 24-8-6, असेसमेंट नं. 278, भीमा-
वरम। रजिस्ट्रीकरी विलेख नं. 738/81 रजिस्ट्रीकरी अधिकारी
भीमावरम।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रॉज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1981

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हृदराबाद

हृदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. आर. यो. सी. नं. 53/81-82-काकीनाडा
स्कॉड—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं. 5-87-133 है तथा जो गुंटूर में स्थित है
(और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल,
1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्रीमती यलमाचीली आचमम्बा पति सांबसीवराव,
5-87-133, लक्ष्मीपुरम, गुंटूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यलमाचीली इवीरा देवी पति एम. जगन्नाहन-
राव, घर नं. 5-87-133, लक्ष्मीपुरम, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति घर नं. 5-87-133, लक्ष्मीपुरम, गुंटूर।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3735/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
गुंटूर।एस. गोविन्द राजन
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हृदराबादतारीख : 7-12-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 54/81-82—यतः,
मूझे, एम. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. डी. 2655 है, जो मधुरवाड़ा गांव स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में दानविक रूप से कथित नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:-

1. श्रीमती कोरेडा सत्यासम्मा पति वेंकटस्वामी नाइडु,
बेमुलावलसा गांव, भीमनीपटनम तालुक।

(अन्तरक)

2. श्री क्रीष्णा को. ओपरेंटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी
लि. बी. 1624, मधुरनगर, विशाखापटनम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी विस्तीर्ण 3.50 एकड़. अनुक्रमांक 329, मधुरवाड़ा
गांव। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2352/81 रजिस्ट्रीकर्ता, विशा-
खापटनम।

एम. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 8-12-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 55/81-82—यतः,
मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. डी. 329 है, जो मधुरवाड़ा गांव में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री पीसा चिन्नय्या पिता लेट चिन्नय्या श्री पीसा
बंगारय्या पिता चिन्नय्या, पीलाकामटीपालाम गांव,
मधुरवाड़ा पोस्ट।

(अन्तरक)

2. श्री क्रीष्णा को. ओपरेटिव हाउज विंग्लिंग सोसाइटी
लि. वी.-1624, मधुरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमी विस्तीर्ण 2.25 एकड़, सर्वे नं. 328, मधुरवाड़ा
गांव। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2131/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी विशाखापटनम।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 8-12-1981
मोहर :

प्रकृष माई. टी. एन. एच.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. यो. सी. नं. 567/81-82—यतः,
 मूके, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं. टी. डी. 2655 है, जो मधुरवाड़ा गांव में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 उप पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
 में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. सर्वश्री पीसा पाथनी पिता लेट बंगारय्या श्री पीसा
 चीन्ना सन्यासर पिता लेट बंगारय्या, श्री पीसा
 बंगारय्या पिता सन्यासी सभी पीलाकोमटीमालम गांव
 मधुरवाड़ा पोस्ट के रहोवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्री क्रिष्णा को. ओपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी
 लि., बी-1624, मधुरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाधक समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भूमी विस्तीर्ण 12.25 एकड़, सर्वे नं. 329, मधुरवाड़ा
 गांव। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2137/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी विशाखापटनम।

एस. गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 8-12-1981
 मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. अ.र. ए. सी. नं. 57/81-82—यतः,
मूझे, एस्. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. असेसमेंट नं. 3485 है, जो पाटपमाटा में
स्थित है (और इससे उपानवध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसके बचाने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्तिस्वार्थ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

13—406GI/81

1. श्री सुपाराणु बेंदटाप्पय्या, पत्र नं. 1-74-12,
पाटपमाटा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन. वरलक्ष्मी पति सेतुना, पाटपमाटा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.30 सेंट्स रेवेन्यू सर्वे नं. 2246/
असेसमेंट नं. 3485, पाटपमाटा। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.
3349/81 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विजयवाड़ा।

एस्. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, हैदराबाद

तारीख : 8-12-1981

मोहर :

प्रमुख बाईं टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हवैराबाद

हवैराबाद, दिनांक 8 विसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ए. सी. नं. 58/81-82—यतः, मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, जो बाल्टीयर वाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से है किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जातिस्वी का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री जी. पोली रेड्डी पिता लेट नरसीम्हा रेड्डी मदीलापालन, विशाखापटनम ।

(अन्तरक)

2. श्री पी. वेंकट रामाराजू पिता बूची राजू, 47-1-114, विशाखापटनम-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 982, चौ. गज । बाल्टीयर वाड, विशाखापटनम, ब्लॉक नं. 1 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2388/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम ।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हवैराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीनः—

तारीख : 8-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ए. सी. नं. 59/81-82--यतः, मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूसी है, जो रीसापूपालम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेडनाम नागरत्नमपाल पति वेंकट सुब्बाराव 25-12-37, वडा स्ट्रीट, विशाखापटनम। (अन्तरक)
2. श्रीमती ए. शामलाबाई पति सुदर्शन राव, 10-11-26, रामनगर, विशाखापटनम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1000 चौ. गज। सर्वे नं. 1/7, उल. पी. नं. 5/80, प्लॉट नं. 2, रीसापूपालम, विशाखापटनम। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2566/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 8-12-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एस. एस. माजगांवकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निवेदन सं. अर्जन रज-11/3182-2/81—अतः मुझे, सहाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. सी. एम. नं. 539, 540 है तथा जो बोरी-वली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:--

2. एन. डब्ल्यू. चांगले।

(अन्तरिती)

3. भास्त्री।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री एस.आर. वरणगांवकर, डी.एस. कलगूटकर, एन. एस. माजगांवकर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एम . 713/78 सबरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सहाकर वर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, बम्बई

तारीख : 10-12-1981

मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th November 1981

No. A.32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate as Deputy Controller (DP) on *ad-hoc* basis for the further period from 1-12-81 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri M. L. Dhawan as Deputy Controller (DP) is purely on *ad-hoc* and temporary basis and will not confer upon him any title for absorption or seniority in the grade.

P. S. RANA,
Section Officer,
for Chairman,
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 30th November 1981

No. A. 35014/2/80-Admn.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 28-2-81, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri K. L. Katyal, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission on an *ad-hoc* basis for a period of two months with effect from 1-4-82 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.

Shri K. L. Katyal will be on deputation to the *ex-cadre* post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 10(24)/E.III/66 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

The 7th December 1981

No. A. 32016/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Sh. O. P. Sud, Investigator (DP) to officiate as Superintendent (DP) on *ad-hoc* basis for the period from 1-12-81 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri O. P. Sud as Superintendent (DP) is purely on *ad-hoc* and on temporary basis and will not confer upon him any title for absorption or seniority in the grade.

No. P/1783-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated 28th August, 1981, Shri V. Ramachandran, an Accounts Officer of the Accountant General, Orissa, has been allowed to continue on deputation to the post of Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission with effect from 13-11-1981 to 12-7-1982, or until further orders, whichever is earlier. Shri Ramachandran will not be entitled to draw any deputation (duty) allowance during the period in question.

P. S. RANA,
Section Officer,
for Secy.
Union Public Service Commission.

New Delhi-11, the 9th December 1981

No. A. 32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Gd. B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd. A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
1.	Shri Joginder Singh,	9-11-81 to 8-2-82.
2.	Shri R. L. Thakur,	28-10-81 to 27-1-82.

No. A. 32014/1/81-Admn.I(i)—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. PA (Grade B of CSSS) in the same cadre in purely provisional, temporary and *ad-hoc* capacity with effect from the dates mentioned below :—

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	P.P. Sikka	4-11-81 to 27-1-82 or until further orders whichever is earlier.
2.	O.P. Deora	9-11-81 to 8-2-82 or until further orders whichever is earlier.

2. S/Shri P.P. Sikka and O.P. Deora should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on them, any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.

No. A. 32014/1/81-Admn. I (ii)—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad-hoc* capacity with effect from the dates mentioned below :

S. No.	Name	Period	Remarks
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	H.C. Katoch	14-12-82 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.	Against 2 posts created by temporary down-grading posts of Private-Secretaries.
2.	T.R. Sharma.	1-12-81 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.	Do.
3.	Sham Parkash	Do.	Against Resultant Chain Vacancy.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.

Y. R. GANDHI,
Under Secy. (Admn.),
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND AR)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th December 1981

No. PF/S-234/73-Ad.I.—Shri Sukumar Biswas, an officer of West Bengal State Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police has been relieved of his duties in the C.B.I., GOW, Calcutta Branch on the forenoon of 16-11-81 on repatriation to the West Bengal State Police.

The 15th December 1981

No. R-93 '66-AD.V.—On attaining the age of superannuation, the services of Shri R. K. Shukla, Superintendent of Police, on deputation to Central Bureau of Investigation from Maharashtra Police, were placed back at the disposal of Maharashtra State Government with effect from 30-11-1981 afternoon.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110022, the 16th December 1981

No. O-II-1206/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Chet Ram, DY. SP of Group Centre No. 2, C.R.P.F., Ajmer relinquished charge of the post of Dy. S.P. in the afternoon of the 30th November 1981.

No. O.II.1445/79-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 5-12-81 (FN), for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1582/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. K. Appalacharyulu, General Duty Officer Grade II of Group Central CRPF, Dimapur with effect from the afternoon of 28th November, 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (T.S.) Rules, 1965.

The 14th December 1981

No. O.II-1414/77-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Gurbachan Singh of 12th Bn., CRPF relinquished charge of the post of Dy. S.P. in the afternoon of the 31st October, 1981.

A. K. SURI
Assistant Director Estt.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 14th December 1981

No. E-38013(2)/1/79-PERS.—On transfer to Madras, Major R. C. Ramaiah, relinquished the charge of the post of COMDT, CISF Unit, SHAR CENTRE, with effect from the afternoon of 28th October, 1981.

No. E-38013(2)/1/79-PERS.—On transfer from SHAR Centre, Major R. C. Ramaiah assumed the charge of the post of Asstt. Inspector-General (Southern Zone), CISF, Madras with effect from the forenoon of 29th October, 1981.

No. E-16015/2/81-PERS.—On transfer on deputation to Joint Cipher Bureau, Ministry of Defence, Shri N. Ram Das relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF, Gp HQrs, Madras with effect from the afternoon of 3rd October 1981.

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer to Nangal, Shri H. S. Randhawa, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda, w.e.f. the afternoon of 5-10-1981.

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer from Naya Nangal, Shri S. S. Samyal assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda w.e.f. the forenoon of 16th Oct. 1981.

The 15th December 1981

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer from Baroda Shri H. S. Randhawa assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, NFL, Naya Nangal with effect from the forenoon of 9th October, 1981.

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer to Baroda Shri S. S. Samyal relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, NFL Naya Nangal with effect from the afternoon of 30th September, 1981.

No. E-38013(4)/16/81-Pers.—On transfer to Hyderabad, Shri C. S. Varadarajan relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, BIL Bhilai w.e.f., the forenoon of 9th November, 1981.

No. E-38013(4)/19/81-Pers.—On transfer from Trg. Reserve CISF S/Zonc, Shri B. A. Devava assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, Southern Zone HQrs, CISF Madras w.e.f., the afternoon of 31st Oct. 1981, from which date Shri R. Janakiraman relinquished the charge of the said post.

No. E-38013(4)/19/81-Pers.—On transfer from Bachel, Shri M. K. Chopra, assumed the charge of the post of Asstt.

Commandant CISF Unit, BHEL Bhopal w.e.f. the forenoon of 8th November, 1981.

SURENDRA NATH
Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 2nd January 1982

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by two points to reach 462 (Four hundred and sixty two) during the month of November, 1981. Converted to base : 1949=100 the index for the month of November, 1981 works out to 562 (Five hundred and sixty two).

A. S. BHARADWAJ
Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 15th December 1981

No. Admn.I/8-132/81-82/410.—Shri T. D. Sell, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service with effect from 30-11-1981 (A.N.).

R. HARIHARAN
Senior Dy. Accountant
General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I.

Bombay-400 020, the 17th December 1981

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/8.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their names, until further orders :—

- (1) Shri V. V. Nirkhe, 17-11-1981 A.N.
- (2) Shri N. S. Phatak, 30-11-1981 F.N.
- (3) Shri G. S. Deshpande, 30-11-1981 F.N.
- (4) Shri V. M. Phirke, 30-11-1981 F.N.
- (5) Shri P. M. Chandekar, 30-11-1981 F.N.

R. S. SHARMA,
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 16th December 1981

No. A-6/247(615).—Shri S. K. Sinha, a permanent Examiner of Stores (Engg.) and officiating Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service with effect from 31-10-1981 (AN), on attaining the age of superannuation.

M. G. MENON
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 15th December 1981

No. A-1/(917).—The President has been pleased to appoint Shri M. P. Gupta, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 24-11-81 and until further orders.

2. Shri Gupta relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade I) and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 24-11-1981.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES,
(DEPARTMENT OF STEEL, IRON AND
STEEL CONTROL)

Calcutta-7000020, the 8th December 1981

No. EI-13(107)/78(.).—On attaining the age of superannuation Shri Hari Mohan Das, Asstt. Iron and Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 30th November, 1981.

S. N. BISWAS,
Jt. Iron and Steel Controller.

(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 15th December 1981

No. 8005B/50/66/(DKJ)/19B.—On reversion from M. E.C. Ltd. Shri D. K. Jai, Shift Boss, G.S.I. received charge of the post of Shift Boss at Western Region, GSI Jaipur on 14-10-1980 (F.N.), and relinquished charge of the same post on 31-10-1980 (A.N.), on voluntary retirement.

No. 8025B/A. 19012(2-TP)/81-19B.—Shri Tapojyoti Pal, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 2-9-81 until further orders.

The 16th December 1981

No. 7996B/A-19012(2-RN)/81-19B.—Shri Rajiv Nigam, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 29-7-81, until further orders.

The 16th December 1982

No. 8085B/A-19012(2-BKA)/81-19B.—Shri Bimal Kr. Adhikari, Senior Technical Assistant (Geophy.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 24-8-1981 until further orders.

The 17th December 1981

No. 8110B/A-19012(2-CV)/81-19B.—Shri C. Vuba, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 4-9-81 until further orders.

No. 8119B/A-19012(2-KS)/81-19B.—Shri Kalyan Saha, Senior Technical Assistant (Geophy.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 18-8-1981 until further orders.

No. 8129B/A.19012(2-MKI)/81-19B.—Mohd. Khalid Iqbal Senior Technical Assistant (Geophy.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in

the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 4-9-81 until further orders.

The 18th December 1981

No. 5120D/A-32013/1-Geol. (Sr.)/81-19A.—The President is pleased to appoint the following Geologist (Jr.) Geological Survey of India on promotion as Geologist (Sr.) in the same Department in pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the date shown against each until further orders :—

S. No.	Name	Date of appointment
	S/Shri	
1.	J.K. Vaid	31-7-1981 (FN)
2.	A. Basu	29-7-1981 (FN)
3.	K.C. Pal	31-7-1981 (FN)
4.	B.K. Nagaraja Rao	30-7-1981 (FN)
5.	V.K. Sharma	1-9-81 (FN)
6.	B.L. Narasayya	1-10-1981 (AN)

J. SWAMI NATH,
Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-400 0026, the 2nd December 1981

No. A-12026/10/81-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri S. A. Naik, Salesman to officiate as Branch Manager, in the Films Division with effect from 1st December, 1981 until further orders against a new post sanctioned by the Ministry of Information and Broadcasting for the Branch at Vijayawada. He is temporarily posted to Bombay. The appointment is purely on *ad-hoc* basis.

S. K. ROY
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th December 1981

No. A. 12026/2/81(AIHPH) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Sanyal, an officer of the Indian Statistical Service, as Professor of Statistics at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 10th September, 1981 on a temporary basis and until further orders.

T. C. JAIN
Dy. Director Administration (O&M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 9th December 1981

No. PA/76(3)/80-R-III.—Reference notification of even number dated August 13, 1981. The officiating appointment of Shri T. K. Ramamoorthy as Assistant Accounts Officer from June 1, 1981 is restricted upto October 6, 1981 (AN).

The 10th December 1981

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Peedikaparambil Kallianamma Narayanan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an *ad-hoc* basis for the period from 5-10-1981 (FN), to 12-11-1981 (AN).

No. PA/81-(10)81-R-IV/1317.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB with effect from the dates indicated under colm. 4 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders:—

Sl. No.	Name	Post held at present	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1.	V.N. Nadre	Scientific Assistant (C)	1-8-81 (FN)
2.	M.L. Sapru	Do.	Do.
3.	Varghese Jacob	Do.	Do.
4.	Smt. V.S. Dixit	Do.	Do.
5.	Shri M.B. Guhagarkar	D'man (C)	Do.
6.	T.G. Patel	Foreman	Do.
7.	P.B. Pawaskar	Scientific Assistant (C)	Do.
8.	A.G. Rahurkar	Do.	Do.
9.	Smt. A.A. Kadam	Do.	Do.
10.	S.H. Vasania	Do.	Do.
11.	Smt. J. Santhanam	Do.	Do.
12.	S.K. Mukherjee	Do.	Do.
13.	S.K. Bandyopadhyay	Do.	Do.
14.	M.K. Mukherjee	Do.	3-8-81 (FN)
15.	M.T. Sahajwalla	Do.	1-8-81 (FN)
16.	S.D. Fulpagare	Do.	Do.
17.	Dr. Mathew David	Do.	Do.
18.	P.A. Ganguly	Do.	Do.
19.	N. Swaminathan	Do.	Do.
20.	D.D. Jaiswal	Do.	Do.
21.	Smt. Vijay R. Pullat	Do.	Do.
22.	V. Venkatesam	Do.	Do.
23.	P.V. Sathe	Do.	Do.
24.	P.P. Gokhale	Do.	Do.
25.	V.V. Deshmukh	Foreman	Do.
26.	M.A. Chavan	Do.	Do.
27.	A.K. Kamat	Scientific Assistant (C)	Do.
28.	V.K.P. Unni	Do.	Do.
29.	S.M. Nanjalli	Do.	Do.
30.	P.K. D. Kurup	Do.	3-8-81 (FN)
31.	A.O. Surendranathan	Scientific Assistant (B)	1-8-81 (FN)
32.	A. Subramaina	Scientific Assistant (C)	Do.
33.	M.F. Fonseca	Scientific Assistant (B)	Do.
34.	George Cherian	Scientific Assistant (C)	Do.
35.	P.C. Rao	Do.	Do.
36.	A.K. Das	Do.	Do.
37.	D.R. Mukne	Do.	Do.
38.	A.F. Dias	Foreman	Do.
39.	M. Janardanan	Scientific Assistant (C)	Do.
40.	G.D. Bhedasaonkar	Do.	Do.
41.	K. Vijayan	Do.	Do.
42.	V.T. Kulkarni	Do.	Do.
43.	S.K. Banerjee	D'man (C)	Do.

1	2	3	4
S/Shri			
44.	U.H. Sali	D'man (C)	1-8-81 (FN)
45.	M.L. Polphode	Do.	Do.
46.	N. Chacko	Scientific Assistant (C)	10-8-81 (FN)
47.	R.N. Ghosh	Foreman	1-8-81 (FN)
48.	S. Vancheeswaran	Foreman	3-8-81 (FN)
49.	C. Lohidakshan	Scientific Assistant (C)	1-8-81 (FN)
50.	V.V. Vad	Foreman	Do.
51.	A.L. Pappachan	Scientific Assistant (C)	Do.
52.	Y.R. Pandya	Do.	Do.
53.	S. Maralidharan	Do.	Do.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 19th December 1981

No. NAPP/Adm/26(1)/81-5158/2.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, appoints Shri Y. P. Saini a permanent Chargehand in PEPD Pool and presently officiating as Foreman in NAPP to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

A. D. BHATIA
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 15th December 1981

No. 05052/81/Aug/6471.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Aravamparambil Sadanandan Janardanan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant, with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

No. 05052/81/Aug./6472.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Arcot Dhanakottu Chandrasekharan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant, with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

The 18th December 1981

No. 05012/R-4/OP/6475.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan, a temporary Assistant Accountant, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of May 25, 1981 to November 20, 1981 (AN) vice Shri A. N. Muthuswamy, Assistant Accounts Officer, transferred to RAPP, Kota on promotion.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane-401504, the 22nd December 1981

ORDER

No. TAPS/2/846/71 Vol.II.—WHEREAS Shri M. Muthuvelu, Tradesman 'D' was granted leave from 1-9-81 to

19-9-81 with permission to suffix 20-9-81 as requested by him;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu did not resume duty on 21-9-81 after the expiry of the leave granted to him;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu sent a telegram which was received in TAPS on 21-9-81 and in which Shri Muthuvelu had asked for extension of leave by one month;

AND WHEREAS even after the expiry of a period of one month from 21-9-81, Shri Muthuvelu failed to resume duty;

AND WHEREAS a Memorandum was sent by TAPS to the said Shri Muthuvelu on 26-10-81 asking the said Shri Muthuvelu to report for duty immediately, by Registered post A/D to the last known address of Shri Muthuvelu at Vilathupatti.

AND WHEREAS the said Memorandum was returned by the postal authorities with a remark to the effect that the addressee was not seen;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu sent another letter dated 21-11-81 requesting for extension of leave upto 2 or 3 months;

AND WHEREAS a Memorandum was sent by TAPS on 30-11-81 by Registered post A/D, on the address furnished in Shri Muthuvelu's letter of 21-11-81, asking the said Shri Muthuvelu to report for duty immediately;

AND WHEREAS the said Memorandum dated 30-11-81 was returned by the postal authorities with remarks to the effect that the addressee left without address;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu has continued to remain absent;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu has been guilty of remaining unauthorisedly absent from duty and voluntarily abandoning service;

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping TAPS informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules, 1965;

NOW THEREFORE, the undersigned, in exercise of the powers conferred under Rule 19(ii) of the CCS (CC&A) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Muthuvelu from service with immediate effect.

K. P. RAO
Chief Superintendent

Copy to :
Shri M. Muthuvelu,
Narthamalai P.O.,
Annavasal (Via),
Pudukkottai Dist.

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 7th December 1981

No. 9/62/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from the State Public Works Department, Government, of Tamil Nadu, Shri R. Jayaraman, Assistant Engineer of that office as Engineer-SR in an officiating capacity with effect from the forenoon of December 7, 1981 and until further orders.

M. P. R. PANICKER,
Administrative Officer-II
for Chief Engineer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th December 1981

No. A. 31014/1/79-EC.—In partial modification of S No. 51 of this Department Notification No. A. 31014/1/79-EC, 14-406GI/81

dated 25-5-81, the following may be substituted to read for existing entry at S. No. 51 thereof :—

S. No.	Name	Station of posting
51.	Shri A. C. Dutta	Aero Comm. Stn. Gauhati

PREM CHAND
Assistant Director (Admn.)

MINISTRY OF ENERGY (DEPARTMENT OF COAL) COAL MINES WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 9th December 1981

No. P.8(25)/67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints Shri P. K. Pradhan, General Secretary, Colliery Mazdoor Sangh, Talcher, Orissa as a member of the Finance Sub-Committee constituted in the Notification No. P. 8(25)/67 dated 23-12-1975 vice Shri S. Das Gupta, General Secretary, Indian National Mines Workers Federation, Dhanbad, who has resigned and makes the following amendment in the said Notification :—

For the entry "Sl. No. 4—Shri S. Das Gupta" the entry "Sl. No. 4 Shri P. K. Pradhan" shall be substituted.

D. PANDA
Commissioner
Coal Mines Welfare Organisation, Dhanbad.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 16th December 1981

No. A-19012/931/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri B. G. Sinha, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 12th October, 1981

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission.

MINISTRY OF RAILWAYS

RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS ORGANISATION

Lucknow, the 9th December 1981

No. EII/ES/CFM/O/Ministerial.—Shri Y. R. Nagar is confirmed as Section Officer (Ministerial) with effect from 1-8-1980 in Research Designs and Standards Organisation.

No. EII/ES/CFM/O/Ministerial/I.—Shri K. K. Soni is confirmed as Section Officer (Ministerial) with effect from 1-8-1980 in Research Designs and Standards Organisation.

No. EII/ES/CFM/O/Ministerial/II.—Shri I. C. Kakkar is confirmed as Section Officer (Ministerial) with effect from 1-9-80 in Research Designs and Standards Organisation.

L. F. X. FREITAS
Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Ram Roop Jugan Nath Pvt. Ltd.

New Delhi, the 17th November 1981

No. 3383/21448.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Ram Roop Jagan Nath Pt. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

D. N. PEGU
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of Prerna Finance Private Limited, Indore*

Gwalior, the 17th December 1981

No. 1157/Liqu./C.P./5247/81.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Prerna Finance Private Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order dated the 1st October, 1981 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh Bench at Indore and the Official Liquidator Indore has been appointed as Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
M.P. Gwalior

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 16th December 1981

No. F.48-Ad(AT)/81.—Shri A. Ramakrishnan, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 26-9-1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81(II), dated 27-8-81, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from the 26th December, 1981 or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri A. Ramakrishnan a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1981

No. AR-II/3182-2/April 81.—Whereas I, SUDHAKAR VERMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTSNo. 539 & 540, situated Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. S. MAJGAONKAR. (Transferor)
(2) Shri N. W. CHOGLE. (Transferee)
(3) Tenants. (Person in occupation of the property)
(4) 1. Shri S. R. Varvangaonkar
2. Shri D. S. Kalgutkar
3. Shri M. S. Majgaonkar. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Register No. S-1272/80 and Registered on 25-4-1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 20-11-81.
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2907.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh s/o
Shri Dalip Singh,
r/o Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Kumar & Prem Kumar,
ss/o Shri Hans Raj,
s/o Shri Chanan Ram,
C/o M/s Hans Raj Jagdish Rai
Commission Agents, Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 558 of May, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2908.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kuldip Singh s/o
Shri Surat Singh,
r/o Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj & Hans Raj, ss/o
Shri Chanan Ram,
c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai,
Commission Agents, Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 559 of May 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2909.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Param Veer Singh s/o
Shri Harinder Singh and
Gurbachan Singh s/o Natha Singh,
r/o Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar s/o
Shri Hans Raj,
c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai,
Commission Agents, Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 578 of May, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2910.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Kot Kapura

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kuldip Singh s/o Shri Surat Singh,
r/o Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Des Raj and Hans Raj,
ss/o Shri Chanan Ram,
c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai,
Commission Agents, Kot Kapura,
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 579 of May, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2906.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rur Chand s/o Shri Shibu Ram, c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai, Commission Agents, Kot Kapura, Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Kewal Krishan and Hira Lal, ss/o Shri Ganga Ram, C/o M/s Surat Mal Ganga Ram Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 196 of April, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 25th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/269.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot on Mall Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—406GI/81

- (1) Smt. Gajinder Kaur wd/o
Sohan Singh,
r/o 39, Lawrance Road, Amritsar
Self and mukhtar aam Smt. Jatinder Kaur and
Smt. Laghbir Kaur ds/o
S. Sohan Singh,
r/o 39, Lawrance Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Dr. Amrit Pal Singh s/o
Dr. Ishar Singh.
r/o Kothi No. 29,
Govt. Colony, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

† share in plot (area 229.9 sq. mtrs.) situated on Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 270/ dated 6-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 25th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/270.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land on Mall Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

- (1) Shri Jaspal Singh, S/o Sohan Singh
r/o 39, Lawrance Road, Amritsar.
and Tarlochan Singh and Kirpal Singh,
ss/o S. Sohan Singh,
Smt. Gajinder Kaur mother and mukhtar aam,
r/o 39, Lawrance Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Dr. Amritpal Singh s/o
Dr. Isher Singh,
r/o 29, Govt Colony, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot (area 229.9 sq. mtrs) situated on Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 271/ dated 6-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/271.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in village Tung Pain Sub-urban
situated at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazara Singh s/o
Shri Surat Singh,
r/o Village Tung Pain,
Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Randhir Kumar Khanna (HUF)
s/o Shri Rattan Chand,
r/o Dasaundha Singh Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3250 sq. yds. situated in Village Tung Pain Sub-urban (Gali Bank Behari Lal) Off Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 643 dated 9-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/272.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land in village Gulelra, situated at Gurdaspur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Singh s/o
Hazara Singh s/o Jai Singh,
r/o village Gulelra,
Teh. & Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Shri Dilawar Singh s/o
Kandhara Singh s/o Kishan Singh,
r/o village Gulelra,
Teh. & Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 25K 5 marlas, situated in Village Gulelra, Teh. & Distt. Gurdaspur, as mentioned in the sale deed No. 152/dated 8-4-1981 of the Registering Authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/273.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in H. No. 2029/81 in Bazar, situated at Tokerian, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Singh s/o Bhagat Singh,
r/o Bazar & Gali Tokegian,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Pran Nath s/o Shri Ram Parkash,
r/o Katra Bhai Sant Singh,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house Khanashumari 2322, 2332/19, 2092/19 and 2029/8 situated in bazar Tokerian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 522/dated 8-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 24-11-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/274.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One half share in house bazar, situated at Tokerian, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Singh s/o Bhagat Singh,
r/o Bazar & Gali Tokerian,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Prem Nath s/o Ram Parkash,
r/o Katra Bhai Sant Singh,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share in house No. 2029/8 situated in bazar & gali Tokerian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 521/ dated 8-4-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 24-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 18th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/275.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop in Gali Tiwaria, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ayudhia Nath s/o
Shri Dava Ram,
r/o 20, Race Course Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Huri Sharan,
Shri Narinder Kumar,
Shri Surinder Kumar and
Davinder Kumar,
ss/o Shri Karam Chand,
r/o Charausti Attari,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3650/II & 275/II-2 MCA, situated in Gali Tiwaria, Bazar Charausti Attari, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1480/dated 22-4-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 18-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/276.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at Jail Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khushi Ram s/o Shri Jai Chand, Krishna Mehra w/o Dr. Khushi Ram, Susheel Kumar Mehra s/o Dr. Khushi Ram, r/o 14, Jail Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) S/Shri Arun Kumar & Ajay Kumar, ss/o Chuni Lal, r/o Katra Dulo, Amritsar. (Transferor)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot (measuring 325 sq. yds) situated on Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1002/dated 15-4-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/277.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop in Guru Bazar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—406GI/81

- (1) Shri Shori Lal s/o Shri Rikhi Ram,
r/o Katra Partja,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Lila Wati w/o
Shri Mansa Ram,
r/o Katra Partja,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 1745 & No. 1844 & 1989 & 90/4 khana shumari situated in Bazar Guru, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1425/I dated 21-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/278.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Katra Sher Singh, situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Uma Devi wd/o
Manmohan Nath Sharma,
r/o Katra Sher Singh,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kaushlya Devi Sud w/o
Shri Shamsheer Singh Sud,
r/o Maqbul Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1403 & 1403-A/K11-10, situated in Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1062/dated 16-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURL TAYLOR ROAD

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/279.—Whereas, I
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Ktr. Sher Singh situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SR Amritsar in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Indra Sharma wd/o Sri Krishan Kumar Sharma r/o Atr. Sher Singh, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Kaushlya Devi Sud w/o Sh. Shamsher Singh Sud r/o Maqbul Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1403 & No. 1403-A XII-Co situated in Katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 106/dated 16-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/280.—Whereas, I
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory shed in Kishan Kot situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharamvir s/o Shri Chand Mul alias Chand Lal r/o Kucha Pandatan Bazar Guru Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Kamlesh Kumari w/o Brij Mohan Malhotra r/o Katra Bhai Sant Singh Gali Gujran, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in factory shed situated in Abadi Kishan Kot, Islamabad Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2080/ dated 30-4-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/281.—Whereas, I

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One factory shed Abadi Krishna Kot situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharamvir S/o Shri Chand Mal alias Chand Lal r/o Kucha Pandtan, Bazar, Guru, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s Brij Mohan Malhotra & Co., Khuh Bhalewala, Islamabad, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Factory shed situated in abadi Kishan Kot, Islamabad Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2081/ dated 30-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 24th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/282.—Whereas, I

ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant plot at G. T. Road Jullundur situated at, Amritsar, -

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Niranjana Singh s/o Jiwan Singh through Shri Kartar Singh s/o Jaswant Singh r/o East Mohan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Gurcharan Singh Kapur s/o Shri Buta Ram r/o Kot Baba Deep Singh Amritsar. Prop. M/s Unison Fans, Kot Baba Deep Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 4 kanals 1 marlas situated at G. T. Road, between 5 th & 6 th km Stone towards Jullundur, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 675 dated 10-4-81.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 24-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/283.—Whereas, I
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Basant Avenue situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Singh s/o S. Kartar Singh r/o Tehsil Pura, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shmt. Bhupinder Kaur w/o S. Bhagwant Singh r/o Jaura Pipal Gali Devi Wali, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in one kothi No. 412 (area 105 sq. yds.) situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1901 dated 29-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/284.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one property in Basant Avenue situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Rajinder Singh s/o Kartar Singh r/o Tehsilpura Amritsar.
(Transferor)
- (2) S. Bhagwant Singh s/o S. Kartar Singh r/o Jaura Pipal, Gali Devi wali, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in one kothi No. 412 (measuring 105 sq. yds.) situated in Basant Avenue Amritsar vide sale deed No. 685/ dated 10-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1981

Ref. No. ASR/81-82/285.—Whereas, I

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Bldg. on Batala Road, situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—406GI/81

- (1) Shmt. Maan Kaur wd/o Sh. Jagiri Mal Khanna r/o Lawrance Road, Amritsar. (Transferor)
(2) Shri Sardari Lal Khanna s/o Shri Jagiri Mal Khanna r/o Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20% share in factory building situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1572/dated 23-4-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 23-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1981

Ref. No. ASR/81-82/286.—Whereas, I
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 2 kanals in village Sali situated at Teh. Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at SR Pathankot in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Rajeshwar Parkash s/o Sumner Chand r/o Dhangu Road, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Shri Chaman Parkash s/o Sumner Chand r/o Dhangu Road, Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2 kanals in village Sali, Teh. Pathankot as mentioned in the sale deed No. 261 dated 21-4-81 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1981

Ref. No. ASR/81-82/287.—Whereas, I
ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Land in Teh. Pathankot situated at Pathankot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering officer at
SR Pathankot in April 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Bimla Wati w/o Shri Chaman Parkash s/o
Shri Sumer Chand r/o Dhangu Road, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Shri Rajeshwar Parkash s/o Shri Sumer Chand r/o
Dhangu Road, Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, and shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1 K-13M-193 sq. ft. situated in
Chak Hassan within the municipal limit of Pathankot as men-
tioned in the sale deed No. 262 dated 21-4-81 of the regis-
tering authority, Pathankot.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 23-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/288.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House in Mohalla Onkar Nagar situated at Gurdaspur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puran Chand s/o Beli Ram r/o Onkar Nagar, Gurdaspur. (Transferor)
(2) Smt. Chanchal Mahajan w/o Surinder Nath r/o Onkar Nagar, Gurdaspur. (Transferee)
(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (6 marlas) situated in Onkar Nagar, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 560/ dated 29-4-81 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/289.—Whereas, I

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Kot Baba Deep Singh situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Surjit Singh s/o Rattan Singh r/o Bazar Chur Beri, Gali Ahadwaja Amritsar and S. Tarlochan Singh s/o S. Dalip Singh r/o ABADI East Mohan Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Balwinder Singh Babar s/o S. Gurbax Singh r/o Chur Beri, Gali Ahadwaja, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
Shri Banwari Lal, Panna Lal, Jagdish Raj goldsmiths Surjit Singh, Manjit Singh, Shri Sadhu Singh.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 3800/29 (area 90 sq. yds.) situated in Abadi Kot Baba Deep Singh Bazar No. 1 Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1226/dated 20-4-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, AmritsarDate : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/290.—Whereas, I

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property, Bazar Chur Beri situated at Ktr. Karam Singh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chaudhari Kartar Singh s/o Sher Singh r/o Rani Ka Bagh, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Lal s/o Shri Madan Lal r/o village Chaugawan Teh. Ajnala Distt., Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in building (area 37½ sq. mtrs.) situated in bazar Chur Beri, Katra Karam Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3026 dated 15-5-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 26-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) S. Kartar Singh s/o Sher Singh r/o Rani Ka Bagh,
Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Laipat Rai s/o Shri Madan Lal r/o Village
Chogawan Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immove-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/81-82/291.—Whereas, I

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. One bldg Bazar Chur Beri, Ktr. situated at Karam Singh
Amritsar,,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
SR Amritsar in April 1981,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

½ share in one building (area 37½ sq. mtrs.) situated in
Bazar Chur Beri, Katra Karam Singh Amritsar as mentioned
in the sale deed No. 1722 dated 24-4-81 of the Registering
Authority Amritsar.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 26-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/292.—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shed at Verka situated at Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. The Modern Textile Mills at Verka through Shri Sham Sunder s/o Chuni Lal r/o Verka Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. T. S. Dyeing & Ptg. Mills at Verka through Shri Sat Pal s/o Tulsi Ram r/o Katra Dulo Amritsar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

‡ share in Factory shed Kh. No. 1346 situated at Verka Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1533 dated 23-4-81 of the Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/293.—Whereas, I
ANAND SINGH I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shed at Verka Amritsar situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—406GI/81

(1) M/s. The Modern Textile Mills Pvt. Ltd. Co. through Shri Sham Sunder s/o Shri Chuni Lal Nayyar Director Co. r/o Verka Amritsar.
(Transferor)

(2) M/s. T. S. Dyeing & Ptg. Mills through Shri Sat Pal s/o Tulsi Ram r/o Katra Dulo Amritsar.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in factory shed Kh. No. 1346 situated at Verka Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1001 dated 15-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sham Sunder Nayyar s/o Shri Chuni Lal Nayyar
r/o Verka mukhtar Khass The Modern Textiles
Mills Pvt. Ltd. Verka (Amritsar).

(Transferor)

(2) M/s T. S. Dyeing and Ptg. Mills Verka Amritsar,
through Sh. Sat Pal s/o Tulsi Dass r/o Katra Dulo
Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ret. No. ASK/81-82/294.—Whereas, I
ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. One factory shed at Verka situated at Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar in August 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Factory shed Kh. No. 1346 situated at
Verka, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10473
dated 3-8-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/295.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One factory shed at Verka situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Sunder s/o Chuni Lal
R/o The Modern Textile Mills, Verka,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Sat Pal s/o Tulsī Dass
R/o Katra Dulo
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in factory shed khasra No. 1346 situated at Verka, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2434 dated 7-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/296.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house in Durgiana Abadi Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Pal s/o Shri Chotto Mal
R/o Faridabad at Present Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Narinder Nath s/o Amar Nath and
Tripta Rani W/o Narinder Nath,
R/o 17-B Rase Course Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in house No 219/13 situated in Abadi Durgiana Amritsar, as mentioned in the sale deed No 793/dated 10-4-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/297.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house in Durgiana Abadi situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sat Pal S/o Choto Mal,
R/o Hira Nagar, Distt. Kathua, J. & K.
(Transferor)
- (2) Shri Narinder Nath s/o Amar Nath and
Tripta Rani w/o Narinder Nath,
R/o 17-B, Race Course Road,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in House No. 219/13 situated in Durgiana Abadi Amritsar as mentioned in the sale deed No. 791/ dated 10-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/298.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house in Durgiana Abadi situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Rani w/o Roshan Lal,
R/o Hira Nagar, Distt. Kathua, J&K.
(Transferor)
- (2) Shri Narinder Nath s/o Amar Nath,
Tripta Rani w/o Narinder Nath,
R/o 17-B, Race Course Road,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in House No. 219/13 situated in Durgiana Abadi Amritsar as mentioned in the sale deed No. 792/ dated 10-4-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1981

Ref. No. ASR/81-82/299.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building, Macload Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ram Parkash & Madan Lal
Ss/o Kishan Das
Plot No. 5, through
Shri Prem Sagar Aggarwal
S/o Baby Ram Aggarwal
R/o Lachhmansar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Ajaib Singh s/o Ram Singh,
Macload Road, Lal Dai Building,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
Pt. Baij Nath Chaman Lal Higher Secondary School.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building known as Lal Dai Building, situated on Macload Road, Amritsar as mentioned in the said deed No. 483 dated 8-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 2-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1981

Ref. No. ASR/81-82/300.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one building, on Macload Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar, on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ram Parkash & Madan Lal
S/o Kishan Das
Plot No. 5, through
Shri Prem Sagar Aggarwal
R/o Lachhmansar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Karnail Singh s/o Ram Singh,
Macload Road, Lal Dai Building,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
Pt. Balj Nath Shri Chaman Lal Higher Secondary
School. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building known as Lal Dai Building, situated on Macload Road, Amritsar as mentioned in the said deed No. 484 dated 8-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1981

Ref. No. ASR/81-82/301.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one building on Macload Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—406GI/81

- (1) S/Shri Ram Parkash & Madan Lal
Ss/o Kishan Das
R/o Plot No. 5, Krishna Bhawan Bombay through
Shri Prem Sagar Aggarwal
General Attorney.
(Transferor)
- (2) S. Jarnail Singh s/o S. Ram Singh
R/o Macload Road, Lal Dai Building,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any,
Pt. Baij Nath Chaman Lal Higher Secondary School.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building known as Lal Dai Building, situated on Macload Road, Amritsar as mentioned in the said deed No. 485 dated 5-4-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 2-12-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/302.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building in Katra Sher Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sarwadan Chatrath s/o Shri Chuni Lal Chatrath R/o Green Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jawala Dass s/o Shri Ram Chand, Kishan Lal s/o Ram Chand Shri Subash Chander s/o Shri Ram Chand R/o Katra Sher Singh Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. Abnash Kapur Walatti Ram Subash Fruit Store Chhote Lal Balbir Chand Abram (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 1532/XII-II situated in Katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 515/dated 8-4-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1492 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sheri No. 3, Panchnath Plot—Building situated at Sheri No. 3, Panchnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—386GI/81

- (1) Shri Maganlal Hakemchand Udani;
C/o M. Hakemchand & Co.,
216, Dr. Bhandarkar Marg, Lemington Road,
Bombay-7. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Shardaben J. Shah;
2. Shri Jaikrishna Jayantilal Shah;
Sheri No. 3, Panchnath Plot,
Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 161-4-72 sq. yds. situated at Sheri No. 3, Panchnath Plot, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 2332/81/1-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dingsh Kumar Venichand Kothari;
Yuganda Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Popatlal Dacda;
Flat No. B-7, Kahannagar Coop. H. Socy. Ltd.
Sheri No. 7/9, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1491 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. B-7 of Kahannagar Coop. H. Socy. situated at
Sheri No. 7-9, Panchnath Plot Sheri, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 17-4-81

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-7 of Kahannagar Coop. H. Society, adm. 950
sq. ft. situated at Sheri No. 7/9, Panchnath Plot, Rajkot,
duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No.
2717/10-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1490 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 136/1 paiki situated at Raiyya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 14-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shilaben Keshavlal Shinde;
C/o Shri Radradatta J. Rawal;
Dhruvnagar, Dhruv Flats Raiyya Road,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Bhikhalal Nanjibhai Solanki;
2, Karanpara, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 136/1, paiki adm. 554-8-0 sq. yds. situated at Raiyya Road, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 2804/14-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1489 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat of Angel Apartment situated at
Sheri No. 22, Jagnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Bhanumati Kanaiyalal Samani;
2. Shri Rajendra Govindji Karia;
Through P.A. Holder :
Shri Kanaiyalal Laxmidas Samani;
Both at 15, Sardarnagar, Rajkot. (Transferor)
(2) Smt. Kantaben Amarshibhai Kharecha;
22 New Jagnath Plot, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Angel Apartment of 1102 sq. ft. situated at Sheri No. 22, Jagnath Plot, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 2477/2-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1488 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 330-331, Plot No. 18 paiki Sub-Plot No. 18-B situated at Dhebar Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Dr. Yashwantrao Harishankarbhai Daftari;
'Ashirwad', Anie Besant Road, Worli,
Bombay.

(Transferor)

- (2) M/s. Velocity Forging;
Through : Partner Shri Vithalsinh Ravabhai Jadeja,
Dhebar Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 330-331, Plot No. 18 paiki Sub-Plot No. 18-B, adm. 750-3-0 sq. yds. situated at Dhebar Road, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 3181/24-4-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.,
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981

Seal :

FORM NO. LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1487 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.S. No. 294-3, TPS 6, F.P. No. 345 paiki
situated at Paldi, Ahmedabad(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 15-4-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Shri Chandulal Manilal Patel;
Shri Jayaben Chandulal Patel;
Village Fatehpura, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Mahendra Park Apartment Owners Association;
President : Gitaben Devrajibhai Patel;
Parul Flats, Setelight Road, Ambawadi,
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open land, situated at Paldi, Ahmedabad bearing S. No.
294/3, TP S. 6, F.P. No. 345 paiki adm. 742 sq. yds. of West
side as fully described in the sale-deed registered with the
Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 3499 dated 15-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28th November, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1486 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 68-1, 68-2, 68-3 situated at
Bodakdev, Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—406GI/81

- (1) Shri Parshottamdas Pardhubhai urfe Prabhudas;
Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Ambalal Ramsangji Thakor;
Village Bodakdev, Tal. Dascroi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm. Acre 1-7.5 Gun. as fully described in the sale-deed registered with the Registering authority of Ahmedabad vide Regn. No. 4184 dated 16-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 28th November, 1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1485 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 68-1, 68-2 68-3 paiki situated at Bodakev Seem Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (Minor) Bharatkumar Parshottamdas;
L.H. Shri Parshottamdas Pardhubhai
urfe Prabhudas;
Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Ambalal Ramsangji Thakor;
Village : Bodakdev, Tal. Dascroi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm. A.1 Gun 7.5 as fully described in the sale deed registered with the Registering authority at Ahmedabad vide Regn. No. 4185 dated 16-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28th November, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1484 Acq.23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki situated at Bodakev Seem Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ranchhodlal Parshottamdas;
(HUF) & others;
Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Ambalal Ramsangji Thakor;
Village : Bodakdev, Tal Dascroi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm, A.1 Gun 7.5 as fully described in the sale deed registered with the Registering authority at Ahmedabad vide Regn. No. 4185 dated 16-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28th November, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1483 Acq 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 792 paiki undivided 1/3rd share situated at Makarba seem District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Atmaram Vithalbhaji Patel & others;
Mahtampura—Tal. City, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Shri Karsanbhai Fulabhai,
Ambavadi, 'Keshav Bhawan',
Ahmedabad.
Shri Taljabbhai Fulabhai;
Village : Tandali, Tal. Mehsana.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Gam Makarba seem bearing S. No. 792, adm.A-4-33 paiki undivided 1/3rd share as fully described in the sale-deed registered with the registering authority of Ahmedabad vide Regn. No. 3504 dated 3-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1482 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 475/2 situated at Thaltej Gam Seem Dist. Ahmedabad Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naranbhai Viranbhai,
Village Thaltej, Tal Dascroi,
Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Keshavlal Rayasangbhai Chaudhary;
2. Shri Laljibhai Raysangbhai Chaudhary;
3. Shri Ganeshbhai Raysangbhai Chaudhary;
4. Shri Shivabhai Raysangbhai Chaudhary,
Memnagar, Near Mahadev Mandir,
Tal. City Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Thaltej seem bearing S. No. 475/2 adm. A. 0-38 Gun. as fully described in the sale deed which is registered with the Registering Authority of Ahmedabad vide Regn. No. 4503 dated 23-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1481 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki situated at Badukdev Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maniben Parashotamdas Paradhubhai urge Prabhudas;
Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Ambalal Ramsanji Thakor;
Village : Badukdev, Tal. Dascroi,
Dist. Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Badukdev seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm. A. 1-7,5 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 4182 dt. 16-4-81.

G. C. GARG
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.3.—

- (1) Shri Atmaram Vithalbhai Patel & others;
Mahtampura, Tal. City, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Sartanbhai Versibhai;
Village : Vastrapur, Tal. City. Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1480 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 792 paiki undivided 1/3rd share situated at Makarba seem Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Gam Markarba seem bearing S. No. 792, adm. A.4-33 paiki undivided 1/3rd share as fully described in the sale-deed registered with the registering authority at Ahmedabad vide Regn. No. 3506 dated 3-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1479 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- S. No. 792 paiki undivided 1/3rd share situated at Markarba seem Dist. Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 30-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Atmaram Vithalbhai Patel & others;
Mahtampura, Tal. City, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Ranchhodbhai Leelabhai;
Village : Vastrapur, Tal. City,
Dist. Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Gam Markarba seem bearing S. No. 792, adm. A.4-33 paiki undivided 1/3rd share as fully described in the sale-deed registered with the registering authority of Ahmedabad vide 'Regn. No. 3505, dated 3-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1478 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 714 paiki 472/1, Tika No. 35, S. No. 19 R.S. No. 292/1 C.S. No. 746 paiki situated at Karia Road, Amreli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amreli on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—406/81

(1) Shri Madhusudan Ratilal Valiya;
553, Adenwalla Road, Matunga, Bombay-19.
(Transferor)

(2) 1. Shri Kishorbhai Dave;
2. Shri Mukeshbhai Bhimbubhai Dave;
both at Kariya Road, 'Madhukunj',
Amreli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as 'Madhukunj', bearing C. S. No. 714 paiki standing on land 810 sq. mts. and land bearing R.S. No. 292/1, C.S. No. 746 paiki adm. 520 sq. yds. situated at Kariya Road, Amreli duly registered by Sub-Registrar, Amreli vide Regn. No. 581/April, 1981 i.e. property fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1477 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76-2, Plot No. 12, situated at Village Nanamava, Dist. Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-4-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sharda Narbheram Parekh; Parekh Building, Kanak Road, 22, Karanpara, Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Dhirendrakumar Kakubhai Doshi; 66, Chakra Baria Road, North-Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 697-1-0 sq. yds. bearing S. No. 76-2, Plot No. 12, situated at village Nana Mawa, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide Regn. No. 3192/24-4-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1476 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 85/1, Plot No. 43 situated at Village Paiyya, Dist. Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-4-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mansukhlal Keshavlal Parekh; Palace Road, Balkrishna Niwas, Rajkot.
(Transferor)
- (2) 1. Prafulaben Pravinchandra Vasani;
2. Jyotsnaben Sureshkumar;
3. Ilaben Bharatkumar; All at 7, Raghuvirpara, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 637-4-72+692-4-72 sq. yds. bearing S. No. 85/1, Plot No. 43, situated at village Raiyya, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale deed No. 2361 and 2362/22-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yusufali H. Kapadiya; 105/107, Dintimkar Street, Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ashok Hirachand and others; Kalyan Society, "Sunder villa", Rajkot.
2. M/s Precision Products, 'Sundervilla', Kalyan Society, Rajkot.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1475 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sheet No. 421—C. No. 1, No. 7/5801 situated at Mavadi Plot, Gondal Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 3-4-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sheet No. 421—C. No. 1, No. 7/5801 adm. 724-0-36 + 550-0-0 sq. yds. situated at Gondal Road, Mavdi Plot, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot. vide sale-deed No. 2398 and 3399/3-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1474 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 192, 216-692, Plot No. 1095 situated at Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Rajkot on 4-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Dharamshi Mavji; Canal Road, Rajkot.
(Transferor)
(2) Veco Foundry Engg. Works; through : Shri Lalji
Karamshibhai; AJI Udyog Vasahat, Rajkot.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 980 sq. yds. bearing S. No. 192-216-692 situ-
ated at Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide
sale deed No. 1851/4-4-1981 i.e. property as fully described
therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1473 Acq. 23-J/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 9, Sub-Plot No. 3(3) situated at Yogivandana area,
Sahkar Nagar Main Road, Nr. Mahila College Hostel,
Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 28-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Dinesh Bhagwanji Nathwani; 'Manglam', 27,
Prahlad Plot, Prahlad Road, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Ramanlal Manilal Shah; 107, Town Quarters,
Tata Chemicals Ltd., Mithipur, Dist. Jamnagar.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and explanation used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Building bearing Plot No. 9, sub-plot No. 3(3), standing
on land 125.44 sq. mts. situated at Shri Yogivandana area,
near Mahila College Hostel, Rajkot duly registered by Sub-
Register, Rajkot vide sale-deed No. 2712/28-4-81, i.e. prop-
erty as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Punjabhai Raningbhai Dhankhada, Piriya
Dungara, Rajula.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Anantrai Durlabhadas Doshi; Jawahar Road,
Rajula, Dist. Amreli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1472 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingS. No. 388 situated at Near Railway Station, Rajula, Dist.
Amreli,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajula in April 1981,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 388, situated near Railway Station,
Rajula, Dist. Amreli, duly registered by Sub-Registrar, Rajula,
vide sale deed No. 1550/April 1981 i.e. property as fully
described therein.G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, AhmedabadDate : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Barjoji Navrojji Palia & another; Machhalipith,
Wadia Street, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Manjibhai A. Patel;
2. Shri Karamshi Shivji;
3. Shri Gopal Shivji Patel;
4. Shri Naran V. Patel & others; Village Dhavda,
Dist. Kutch.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1471 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I
G. C. GARG,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Property building situated at Station Road, Dhranga-
dhara, Dist. Wadhawan;
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dhrangadhara on 8-4-1981,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Station Road, Dhrangadhara, standing on land
adm. 1432 sq mts. duly registered by Sub-Registrar, Dhranga-
dhara, vide sale deed No.-431/8-4-81 i.e. property as fully
described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560001, the 5th December 1981

CR. No. 62-30573/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 275/A and 275/B situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, under document No. 30/81-82 on 1-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

!—406G1/81

- (1) Executors of the Will of Late Smt. Thayamma Veerannagowda.
1. Sri M. Ramanna by P. A. Holder Sri K. T. Chandu.
2. Shri K. T. Chandu, Maddur, Mandya (Dist.).
(Transferors)
- (2) Shri N. Srirama Reddy, residing at No. 28-29, Yamunabai road, Madhavanagar, Bangalore-1.
(Transferees)
- (3) Tenant: The Chief Inspectorate of Worship Equipment, South Zone, Bangalore.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 30/81-82 dated 1-4-1981)
All that property bearing Premises No. 275/A and 275/B, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-12-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th December 1981

C. R. No. 62/30576/81-82/Acq../B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 formed in site No. 22 situated at Kumara Cot, 1 Cross Kumara Krupa Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under document No. 402/81-82 on 27-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Biharila Holaram Menda, 2. Girdharilal Holaram Menda.
Both Sons of Sri Holaram Menda, Residing at No. 22-5, 1 Cross Kumara Krupa Road, Bangalore.
(Transferor)

(2) Sh. Doulatram Dharmadas
S/o Dharmadas,
Residing at No. 59,
Osborne Road,
Ulsoor,
Bangalore-42,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 402/81-82 dated 27-4-1981),

All that property bearing Corporation No. 5, in site No. 22, situated in Kumara Cot Layout, 1 Cross, Kumara Krupa Road, Bangalore.

Bounded by : on North by Site No. 23,
South by Site No. 21
East by Road
West by compound wall of a private property.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated 5-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1981

C.R. No. 62/31787/81-82.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 613/1, T.S. No. 491/1 & R.S. No. 613/1, T.S. No. 491/1, with building No. 5-9-1009/1 to 5-9-1009/12 situated at Kambla Ward of Bangalore City Corporation, Kodialbail Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore City under Doc. No. 82/81-82 on 15-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Padmanabha Rao,
S/o Venkat Rao
Merchant Ashok Nagar,
Bangalore-6.

(Transferor)

(2) 1. Janab Mohammed Shafi,
2. Mrs. Beepathina W/o No. 1
Both are represented by the G.P. Holder Dr. C. P.
Habceeb Fahnir, Bangalore-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 82/81-82 dated 15-4-1981)

R.S. No. 613/1, T.S. No. 491/1, measuring 7½ cents and R.S. No. 613/1, T.S. No. 491/1, measuring 7½ cents in all 15 cents, with building bearing No. 5-9-1009/1 to 5-9-1009/12 situated at Kambla ward of Bangalore city Corporation, Kodialbail Village.

Boundaries north and South : Portion of the same T.S. No. 491/1, West : Public Road, East : T.S. No. 490/1.

BANJU MADHAVAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 7-12-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1981

C.R. No. 62/31791/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 43/1, situated at Chokkasandra Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North (Tq), Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North (Tq.) under Document No. 819/81-82 on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kusum Singh Namjoshi, S. No. 43/1, Chokkasandra Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North (Tq) Bangalore.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. A. P. Mehtha,
2. Mr. J. A. Mehtha,
3. Mr. D. A. Mehtha No. 195, Upper Palace Orchards, Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 819/81-82 dated 13-4-81)
All that property bearing S. No. 43/1, Chokkasandra Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North (Tq)

MANJU MADHAVAN,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 7-12-81
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1981

Ref. No RAC 208/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-2-46/1 situated at Malakpet Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Dr. N. Ramachandra Reddy S/o N. Ranga Reddy
Barning Ham U.K. G.P.A. Sri Naru Sarath S/o Dr.
N. Ramachandra Reddy Officer Vazir Sultan
Tobacco Co. Staff Quarters Road No. 3 Banjara
Hills, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mohd Samiul Haq S/o Mohd Haq Jeddah
Saudi Arabia G.P.A. Sri Mohd. Abdul Haq S/o.
Mohd Azizul Haq 16-2-46/1 Akbar Bagh Malakpet
Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House & land No. 16-2-46/1 Akbar Bagh Malakpet Hydera-
bad area 681.94 sq. yards registered with Sub-Registrar
Hyderabad vide Doc. No. 2167/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 2-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd December 1981

Ref. No. RAC 209/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land situated at Peerzadiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri T. Ramiah Chowdary S/o Late Lakshmi Perumal H. No. 294 Tarnaka Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. M. Indira Reddy w/o Sri M. Shashidar Reddy 28, Lalaguda, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 3 acres in Survey No. 64 Peerzadiguda, village Hyderabad East Taluk, Hyderabad Dt. registered with Sub-Registrar Uppal vide Doc. No. 1325/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 3-12-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd December 1981

Ref. No. RAC 210/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-138 situated at Himayath Nagar, Hyderabad

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri S. Prasanna Raju S/o Dr. S. P. Raju & others
41 Swastik Road, Shanthinagar
Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s Platinum Construction Rep. By Umrnokal
Gupta Charkaman Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. C. H. No. 3-6-138 Himayathnagar Hyderabad area
969.70 sq. yards registered with SubRegistrar, Hyderabad vide
Doc. No. 1935/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 3-12-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd December 1981

Ref. No. RAC 211/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-138 situated at Himayath Nagar, Hyd.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri S. Prasanna Raju s.o. Dr. S. P. Raju & other
41, Swastik Road Shanthinagar
Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s Platinum Constructions
Rep By Umrao Lal Gupta
Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House MCH No. 3-6-138 Himayathnagar Hyderabad area 480 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2001/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated 3.12.81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 212/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of a yincome arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—406GI/81

(1) Sri Badruddin Tyabji
S/o Late Faiz B. Tyabji
8-2-407 Road No. 6
Banjara Hills, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri C. Anjaneya Reddy
S/o Narsimha Reddy
3-6-212 Himayathnagar
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 5 in Survey No. 129/62 Banjara Hills, Hyderabad area 1012 Sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1666/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 213/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Banjara Hills, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Badruddin Tyabji
S/o Late Faiz B. Tyabji
8-2-407 Road No. 6
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Lakshmi Narsimha Reddy
S/o Late Raghav Reddy
4-5-398 Sultan Bazar
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 4 Survey No. 129/62 Road No. 5 Banjara Hills Hyderabad area 1173.37 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1683/81.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION, RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 214/81-82.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Nallagunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sumitra Bai Naranian
W/o Hariram Naranian
4-2-400 Sultan Bazar
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Padma Co-operative Housing Society Ltd.
1-8-702/51 Nallagunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5,500 sq. yards situated at Nallakunta Hyderabad Survey No. 76 to 79 and part of Sy. No. 12 ward 1 Block 8 registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1699/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 24-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 215/81-82.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Nallakunta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumalatha Bai Naranian
4-2-400 Sultan Bazar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Padma Co-operative Housing Society Ltd.
1-8-702/51 Nallakunta
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 5824 sq. yards situated at Nallakunta Hyderabad Survey No. 76 to 79 and part of Sy. No. 12 ward I Block 8 registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1700/81.

S. GOVINDARAJAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 2-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 216/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Open plot situated at Banjara Hills, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Badruddin Tyabji
S/o Late Faiz B. Tyabji
8-2-407 Road No. 6
Banjarahills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Narasimhappa S/o Venkata Ramappa
Potti Sriramulu Nagar
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 9 in Syl. No. 129/62 Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad area 1157.22 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1758/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 217/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot situated at Banjara Hills, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Badruddin Tyabji
S/o Late Faiz B. Tyabji
8-2-407 Road No. 6
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. L. Sanjeeva Reddy
S/o P. Lakshmayya
Princess villa Chirag Ali Lane,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 6 Survey No. 129/62 Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad Area 1183 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1774/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 218/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Open plot situated at Banjara Hills Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering
Officer at Hyderabad on April 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri Badruddin Tyabji
S/o Late Faiz B. Tyabji
8-2-407 Road No. 6
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Babu Rao
S/o Pullaiah
Village Rimmanapudi
Taluk Pamarru
Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 5 survey No. 129/62 Road No. 5 Banjara
Hills Hyderabad area 1066.29 sq. yards registered with Sub-
Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1776/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-1981
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC No. 219/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Shaikpet village, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri R. Koteswar Rao
S/o R. Ramaiah
Yellareddy guda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Anji Reddy, Doctor
D/o K. Venkata Reddy
Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Survey No. 129/67 at village shaikpet Hyderabad area 1173 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2465/81.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1981

Ref. No. RAC 220/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Gollur Ibrahimpatnam Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ibrahimpatnam on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
24—406GI/81

- (1) 1. Sri Vasani Haridas Kotecha
S/o Sri Haridasji Kotecha
2. Smt. Bhanumathi Vasanti Kotecha
5-9-22/42 & 43
Adarshnagar Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Mathra Bagh Alias Mathra Grape garden
22-5-191 Pattalwadi Lane
Gulzar House Hyderabad-2
Managing partner Smt. Sarita Mahender
sugandhi W/o Sri Mahender Madanlal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 acres 4 guntas in Survey No. 259 & 260 situated at Gollur, Taluk Ibrahimpatnam, Rangareddy district registered with Sub-Registrar Ibrahimpatnam vide Doc. No. 360/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 5-12-1981
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1981

Ref. No. RAC 221/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Saheb nagar Kurd, R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Bommididi Nagaiah alias Nagi Reddy S/o Narasimhareddy 2. B. Dharma Reddy S/o Nagaiah 3. B. Lakshmikantha Reddy S/o Dharma Reddy 4. B. Sunitha D/o B. Dharma Reddy 5. B. Anitha D/o B. Dharma Reddy 6. B. Urmila D/o B. Dharma Reddy 7. B. Narasimha Reddy S/o Nagaiah 8. B. Yadi Reddy S/o Narasimha Reddy 9. B. Ranga Reddy S/o Narasimha Reddy 10. B. Madhavareddy S/o Narasimha Reddy 11. B. Punyam Reddy S/o Nagaiah 12. B. Bhojireddy S/o Punyam Reddy 13. B. Om Reddy S/o Pundam Reddy 14. Srinivasa Reddy S/o B. Punyam Reddy 15. Miss Aruna D/o B. Punyam Reddy 16. B. Bhagyam Reddy S/o

B. Nagaiah 17. B. Balreddy S/o B. Bhagyamreddy 18. Miss Indira D/o B. Bhagyam Reddy 19. Miss Sandhya D/o B. Bhagyam Reddy 20. Jakkidi Yadaiah alias Yadi Reddy 21. J. Radhesyam Reddy S/o J. Yadaiah 22. J. Rajkiran Reddy S/o J. Radaiah 23. I. Rajkumar Reddy S/o J. Yadaiah 24. Jitta Anji Reddy S/o Narayan Reddy 25. J. Rajasekhar Reddy S/o Anji Reddy 26. I. Surrender Reddy S/o Anji Reddy 27. Miss Sunitha D/o Anji Reddy 28. Miss Anitha D/o Anji Reddy All are residents of Saheb nagar village Hayathnagar Taluk Ranga Reddy District and 29. M/s Swastik Enterprises 12, Lal Bahadur Stadium Hyderabad Rep. by (i) Ghanta Radhakrishnaiah Gaddiannaram, Hyderabad and (ii) K. Prabhakar Reddy Aliabad, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) M/s Bhagyalakshmi Co-operative Housing Society TAB 76 Reg. Office 1-1-192/2 Chikadpally Hyderabad, President Sri K. Anjayya S/o late Kistaiah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38 acres 4 guntas in Sy. No. 52 to 57, 69 & 70 in Saheb nagar Kurd village Hayathnagar Taluk R. R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad East vide Doc. No. 2749/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 5-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC 222/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-28/1 situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mohd. Mahboobbaig S/o Late Ibrahim Baig 2. Mohd. Mzahr Baig S/o Mahboob Baig 4. Mohd. Muzaffar Baig S/o Mahboob Baig 4. Mohd. Mahboob Ali S/o Mahboob baig 5. Mohd Bulfequr Baig S/o Mahboob baig 19-3-380 Shalibanda Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Sharada Bai W/o Narayan Rao Gampa 2. Sri Rajeswar Rao S/o Narayan Rao Gampa 3. Sri Santhosh Kumar Gupta S/o Narayan Rao Gampa 4-8-757 Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion H. No. 5-8-28/1 New No. 5-9-29/3/10 at Basheerbagh Hyderabad area 300 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 1750/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC 223/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-8-28/1 situated at Basheerbagh, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on April 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Mohd Mahboob Baig & 4 others
19-3-380 Shalibanda,
Hyderabad,

(Transferor)

- (2) Sri Narayana Rao Gampa & others
4-8-757 Gowliguda
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5-8-28/1 New No. 5-9-29/3/10 at
Basheerbagh Hyderabad area 150 sq. ft. registered with Sub-
Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1751/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC 224/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rice Mill situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Parvathareddi Venkata Reddy S/o Pecchi Reddy 2. Parvathareddi Siva Mohan Reddy S/o Venkat Reddy 21/20A Balajinagar Nellore. 3. Kanna Ramanaiah S/o Lakshmayya Veguru Village Kovvur Taluk. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Nagarapu Ramakrishnaiah S/o Chinna Balaiah 2. Nagarapu Kanakayya S/o Chinna Balaiah 3. Gurramkonda Venkata Ramanayya S/o Shankaraiah Nawal pet Nellore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill in the name of Ashoka Rice Mill Settigunta Road Nellore registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 1277/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981
S al ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC No. 52/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24-8-6 situated at Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kalidindi Sakuntaladevi,
W/o K. R. S. Bangaraju, Bahadur,
380, Gandhinagar, D. No. 1-1-38/A, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Dr. M. Bapiraju
S/o Lakshminarasimha Raju,
Chairman, Mahatma Gandhi Memorial Medical
Trust, Bhimavaram.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing Door No. 24-8-6- Asst. No. 278-Bhimavaram was registered with the SRO, Bhimavaram during the month of April, 1981 vide document No. 738/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. PAC No. 53/81-82. Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-87-133 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur, on April, 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Yelamanchili Achamamba, W/o Sambasivarao, 5-87-133, Laxmipuram, Guntur.

(Transferor)

- (2) Smt. Yelamanchili Indira Devi, W/o M. Jaganmohanarao, D. No. 5-81-133, Laxmipuram, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing D. No. 5-87-133, Laxmipuram, Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of April, 1981 vide document No. 3735/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 54/81-82.—Kakinada Squad.—
Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. TD. 2655 situated at Madhurawada Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Visakhapatnam on April, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Korada Sanyasamma, W/o Venkataswamy
Naidu, Vemulavalasa Village, Bhimunipatnam
Taluk.

(Transferor)

- (2) Sri Krishna Co-operative House Building Society
Ltd., B-1624, Madhurawada, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring Ac. 3-50 bearing S. No. 329 at Mad-
hurawada Village was registered with the SRO, Visakhapat-
nam during the month of April, 1981 vide document No.
2352/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 55/81-82.—Kakinada Squad.—

Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TD. 329 situated at Madhuravada Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April, 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25-406GI/81

- (1) Sri Peesa Chinnayya, S/o Late Chinnayya
Sri Peesa Bangarayya, S/o Chinnayya,
Pilakomatipalem Village, Madhuraswada Post.
(Transferor)
(2) Sri Krishna Co-operative House Building
Society Ltd., B-1624, Madhuravada,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring Ac. 2-25 cents in S. No. 329 at Madhuravada Village was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2131/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 56/81-82, Kakinada Squad.—

Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TD 2655 situated at Madhuravada Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Peesa Pothanna, S/o Late Bangarayya
Sri Peesa Chinna Sanyasi S/o Late Bangarayya
Sri Peesa Bangarayya, S/o Sanyasi.
All are residing at Village
Pillakomatipalem, Madhurawada Post.
(Transferor)
- (2) Sri Krishna Co-operative House Building Society
Ltd., B-1624-Madhuranagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring Ac. 2-25 cents in S. No. 329 at Madhurawada Village was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2137/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Mupparapu Venkatappaiah,
D. No. 1-74-12, Patamata.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. N. Varalaxmamma, W/o Sethanna, Patamata.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 57/81-82, Kakinada Squad.—

Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. No. 3485, situated at Patamata
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 0-30 cents in RS. No. 2246/Asst. No.
3485 situated at Patamata was registered with the SRO,
Vijayawada during the month of April, 1981 vide 3349/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 58/81-82, Kakinada Squad.—

Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Waltair Ward

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri G. Poli Reddy, S/o late Narasimha Reddy, Maddilapalem, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) Sri Patchametla Venkata Rama Raju, S/o Butchi Raju-47-1-114, Visakhapatnam-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 982 sq. yds. at Waltair Ward-Visakhapatnam Block No. 1 was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2388/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 59/81-82, Kakinada Squad.—

Whereas, I. S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Resapupalem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rednam Nagaratnam W/o Venkata Subba Rao, 25-12-37, Vada Street, Visakhapatnam.
(Transferor)
- (2) Smt. Allipilli Syamalabai, W/o Sudarsana Rao, 10-11-26, Ramnagar, Visakhapatnam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site admeasuring 1000 sq. yds. in S. No. 1/7 L.P. No. 5/80, Plot No. 2 in Resapupalem Visakhapatnam was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2566/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981

Seal :

of letters and other communication
the body of the letter should
be counted. An address
for addressed and salutation
or communication.
